सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 220 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 24 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### नीट की तैयारी कर रहे युवक का नदी में मिला शव

**बेमेतरा।** जिले के बहुचर्चित बिरनपुर से एक और घटना सामने आई है। बिरनपुर के पास से गुजरने वाली खैरी नदी में एक युवक की लाश मिली है। शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने पर साजा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेजा है। साजा पुलिस केस दर्ज कर घटना की जांच कर रही है।

साजा पुलिस थाना के मुताबिक, मृतक युवक नरेंद्र वर्मा पिता नंदराम वर्मा (21 साल) चोरभट्ठी गांव का निवासी था, जो नीट की तैयारी कर रहा था। 21 मई को युवक के परिजनों ने थाने आकर युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाई थी। युवक के परिजन और पुलिस युवक की तलाश में जुटे हुए थे। इसी बीच शाम 5 बजे बिरनपुर गांव के खारी नदी में युवक का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर साजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनाम की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साजा थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है। पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि युवक की हत्या हुई है या आत्महत्या का केस है।

### शादी समारोह में आया 9 साल का बच्चा नाले में डूबा

**बलरामपुर।** प्रदेश के बलरामपुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई हैं। जहां पर एक मासूम बच्चे की नाले में डूबने से मौत हो गई हैं। मासूम बच्चा केवल 9 साल का था। इसका नाम शाहनवाज बताया जा रहा हैं। दरअसल बच्चा अपने नानी के घर किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए बिलासपुर जिला स्थित रेवतीपुर आया हुआ था। भीषण गर्मी के चलते वह अपने दोस्तों के साथ नाले में नहाने गया था। इस दौरान नाले में डूबने से उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत के चलते शादी की खुशियां मातम में बदल गई। जानकारी के मुताबिक ये पूरा मामला रामचंद्रपूर थाना क्षेत्र के रेवतीपुर का बताया जा रहा हैं।

# सरेंडर पॉलिसी पर गरमाई सियासत

## साय सरकार ने दिया खुला ऑफर, कहा- बातचीत को तैयार, शस्त्र छोड़ें नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का खात्मा करने के लिए सरकार आक्रामक हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ जहां ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है, वहीं अब नई सरेंडर पॉलिसी लाने की तैयारी है। लेकिन इससे पहले सरकार ने खुद नक्सलियों से सुझाव मांगा है कि वे कैसी समर्पण नीति चाहते हैं। इसके बाद अब सियासत गरमा गई है। इस मसले पर विपक्ष ने सरकार को घेरा है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने इस मामले पर भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं सरकार का पक्ष भी सामने आया है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों को खुला ऑफर देते हुए कहा है कि सरकार बातचीत को तैयार है, लेकिन नक्सलियों को शस्त्र छोड़ना होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी कल हुई मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने को सुरक्षा बलों का साहस करार देते हुए नक्सलवाद के खात्मे को ही सरकार का लक्ष्य बताया है।

नक्सलियों को लेकर भाजपा सरकार की भावी सरेंडर पॉलिसी लगता है विपक्ष को रास नहीं आ रही है। भले ही सरकार ने इस पॉलिसी को लेकर खुलापन दिखाया है, लेकिन विपक्ष को सरकार दिग्भ्रमित नजर आ रही है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा है कि सरकार को यह समझ नहीं आ रहा है कि उसे क्या करना है। नक्सलवाद को लेकर सरकार दिग्भ्रमित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 5 महने बाद भी कोई नक्सल नीति नहीं बनाई है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार की नीति पूरी तरह से सफल थी। विश्वास, विकास, सुरक्षा की नीति को भाजपा सरकार ने खारिज कर दिया। पुरानी नीति खारिज करने के बाद अभी तक वर्तमान सरकार ने नक्सलवाद को लेकर अपनी कोई नीति घोषित नहीं की है। बैज ने कहा कि सरकार पुनर्वास नीति लेकर आए इससे पहले नक्सल नीति तो घोषित किया जाए। जब नक्सल नीति घोषित करेंगे तब पुनर्वास नीति बनेगी। यह उसका अंश है। अभी नक्सल नीति नहीं बनाई है और दावा कर रहे पुनर्वास नीति लेकर आएंगे। ये अनिर्णय वाली स्थिति से इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

### बैज ने पूछे सवाल

कांग्रेस ने कई सवालों के जवाब भी मांगे हैं और पूछा है कि- सरकार बताए कि पुनर्वास नीति के लिए सुझाव मांगने से पहले सरकार की नक्सलियों से कोई वार्तालाप हुई है क्या? सुझाव मांगने के पहले परस्पर विश्वास का वातावरण बनाया जाना चाहिए, क्या सरकार ने ऐसी कोई पहल की है? यदि की है तो नक्सलियों की तरफ से क्या कोई सकारात्मक जवाब आया? दोनों पक्षों में नीति बनने तक युद्ध विराम (शांति की पहल) पर कोई सहमति बनी है क्या? यदि बनी है तो सरकार उसको सार्वजनिक करें। सरकार द्वारा मांगे गए सुझाव के दौरान यदि उधर से कोई वारदात हो गई तो सरकार का उस बारे में क्या योजना है? सरकार की यह पहल एकतरफा है या दूसरा पक्ष भी इससे सहमत है? सरकार को इसको भी स्पष्ट करना चाहिए। बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मानना है कि राज्य में शांति की स्थापना होनी चाहिए। हिंसा पर विराम लगना ही चाहिए। नक्सलवाद एक संवेदनशील मसला है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने पांच सालों में विश्वास, विकास, सुरक्षा के मूलमंत्र को लेकर शांति स्थापना में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की थी। राज्य में नक्सलवादी घटनाओं में 80 प्रतिशत तक कमी आई। प्रभावित क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य जैसे विषयों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया गया, जिससे वहां के स्थानीय लोगों ने सरकार का साथ दिया और शांति की स्थापना में मदद मिली।

### नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य- सीएम

इधर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सलवाद के खात्मे को ही सरकार का लक्ष्य बताया है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर में सात नक्सलियों के मारे जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा की है। उन्होंने लिखा कि सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच हुई मुठभेड़ में सात नक्सलियों के मारे जाने की सूचना मिली है। यह निश्चित ही सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है। उनके साहस को सलाम करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि नक्सलवाद के खिलाफ हमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है। वहीं, उपमुख्यमंत्री व राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा का बयान भी सामने आया है। उन्हें सुरक्षा बलों को लगातार मिल रही सफलता की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा बलों की भुजाओं की ताकत के चलते यह संभव हो सका है। उन्होंने माओवादियों से अपील की कि वे आत्मसमर्पण करें, मुख्यधारा में वापस लौट आएं। गृहमंत्री ने कहा कि सरकार नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए नक्सली स्वयं बताएं कि उन्हें पुनर्वास के लिए क्या जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलियों के साथ बातचीत के लिए हर समय तैयार है।

## कांग्रेस बताए, नक्सलवाद का खात्मा चाहती है या नहीं

नक्सल नीति को लेकर चल रहे आरोप-प्रत्यारोपों के बीच भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने ने कांग्रेस से पूछा है कि वह यह तय कर ले कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का खात्मा चाहती है या नहीं। उन्होंने कहा कि दीपक बैस, भूपेश बघेल और कांग्रेस के नेताओं के बयान और नक्सलियों के जारी पत्रों में वैचारिक समानता संदेह को जन्म देता है। कांग्रेस ने अपने पिछले पांच वर्ष के कार्यकाल में घोषणा पत्र में लिखने के बावजूद न तो नक्सल नीति बनाई और न ही उस पर अमल किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद जिस प्रकार लगातार मुठभेड़ में सफलता प्राप्त हो रही है और जिस प्रकार लगातार भाजपा की सरकार नक्सलियों से वार्ता के लिए वातावरण तैयार कर रही है। ऐसा लगता है कि यह बात दीपक बैस और कांग्रेस को अच्छी नहीं लग रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि तीन वर्ष के भीतर छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में नक्सलवाद खत्म होकर रहेगा। उनकी नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार और उनके उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा नक्सल उन्मूलन को लेकर कार्य कर रहे हैं। यह बताता है कि भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र का विकास करना है । नक्सलवाद में फंसे युवाओं को मुख्य धारा में लाकर उनके पुनर्वास के कार्य करने हैं और दूसरी तरफजो नक्सली बंदूक की नली से बात करना चाहते हैं उन्हें उस भाषा में जवाब देना है।

### तेज रफ्तार ट्रेवलर-ट्रेलर से टकराई, 7 की मौत और 20 घायल

**अंबाला।** वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे एक ही परिवार से भरी ट्रैवलर की ट्रॉले में भिड़त हो गई। यह हादसा उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से यह हादसा अंबाला-दिल्ली हाईवे स्थित मोहड़ा के पास रात करीब दो बजे हुआ। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हैं। ट्रेवलर में एक ही परिवार के 26 लोग सवार थे। हादसा इतना भयानक था कि ट्रेवलर दो टुकड़ों में बंट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने घायलों को निकाला और पुलिस की मदद से एंबुलेंस के जरिए छावनी नागरिक अस्पताल व आदेश अस्पताल में दाखिल करवाया।

हादसे में घायल परिवार के एक सदस्य ने बताया कि वह 23 मई की शाम को वैष्णो देवी के लिए रवाना हुए थे और सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। जैसे ही वह मोहड़ा के पास पहुंचे तो अचानक ट्राले के आगे कोई वाहन आ गया था। जैसे ही ट्राले ने ब्रेक लगाई तो उनकी ट्रैवलर अनियंत्रित होकर उससे टकरा गई। हादसे में सोनीपत के जखोली निवासी विनोद (52) की मौत, यूपी के बुलंदशहर ककौड़ के मनोज(42) और गुड्डी, यूपी के हसनपुर के बुजुर्ग महेर चंद, यूपी के ककौड़ निवासी सतबीर(46), दीप्ति (छह माह) की मौत हो गई है।

वहीं इस हादसे में बुलंदशहर निवासी 50 वर्षीय राजिंद्र, 37 वर्षीय कविता, 15 वर्षीय वंश, 20 वर्षीय सुमित, सोनीपत के जखोली निवासी 40 सरोज, दिल्ली के मगुलपुरी निवासी 15 वर्षीय नवीन, 50 वर्षीय लालता प्रसाद, मुगलपुरी निवासी 42 वर्षीय अनुराधा, बुलंदशहर के टकोर निवासी 23 वर्षीय शिवानी, बेटा 4 वर्षीय आदर्श, यूपी में धनकौर के पास जमालपुर निवासी राधिका, धीरज घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है।

# एसयूवी को टक्कर मारते हुए तेज रफ्तार ट्रक घर में घुसी

## कोहका कुरुद में हादसा, बाल-बाल बची कई जानें

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में गुरुवार आधीरात के बाद रफ्तार कर कहर देखने को मिला। कोहका कुरुद रोड पर पुरी आईटीआई के सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने पहले सामने से आ रही एसयूवी को टक्कर मारी और उसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दीवार व लोहे की ग्रिल को तोड़ते हुए घर में घुस गई। घटना के समय परिवार सोने की तैयारी कर रहा था। धमाके जैसी आवास सुनकर परिवार वाले घर से बाहर निकले। वहीं जिस एसयूवी को ट्रक ने टक्कर मारी उसके एयरबैग खुलने से उसमें सवार लोगों की जान बची।

घटना गुरुवार आधीरात की बताई जा रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्मृति नगर चौकी पुलिस ने ड्राइवर व हेल्पर को हिरासत में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुरी आईटीआई के ठीक सामने मोड में अचानक रात के करीब 12:00 बजे तेज गति से रुंगटा कॉलेज की तरफ से आ रही ट्रक अवंती बाई चौक की ओर से आ रही एक्सयूवी की आमने-सामने टक्कर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक्सयूवी गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। एयर बैग खुलने से एसयूवी में सवार लोगों को हल्की चोटें ही आईं।

इधर एसयूवी को टक्कर मारने के बाद मोड में मुख्तार अंसारी के घर में लोहे की ग्रिल और सामने की दीवार तोड़ते हुए ट्रक घर के आंगन तक घुस गया। इस दौरान तेज धमाके जैसा हुआ। घर के मालिक मुख्तार अंसारी और उनके बेटे शान बाहर निकले तो देखा कि ट्रक ने उनके घर को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। मुख्तार अंसारी ने बताया कि वे खाना खाने के बाद सोने की तैयारी कर रहे थे इतने में तेज आवाज आई। सभी बाहर निकले तो नजारा देख चौंक गए। ट्रक के चालक व हेल्पर इतना ज्यादा नशा किए हुए थे कि संभल नहीं पा रहे थे। घटना की सूचना स्मृति नगर चौकी में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर व हेल्पर को हिरासत में ले लिया।

### हैदराबाद का राजस्थान से सामना आज

**चेन्नई।** सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच आज आईपीएल 2024 का क्वालिफायर-2 खेला जाएगा। चेपॉक में खेले जाने वाले इस मैच में जो भी टीम जीतेगी सीधे फाइनल में पहुंच जाएगी। उसका सामना 26 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। आज के मैच में ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सर्वश्रेष्ठ पावर हिटर जोड़ी तथा युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। हेड और अभिषेक ने अब तक अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। इस जोड़ी को 'ट्रेविषेक' नाम दिया गया है।

मौजूदा संस्करण में हेड ने 199.62 के स्ट्राइक रेट से 533 रन बनाए हैं जबकि अभिषेक ने 207.04 के स्ट्राइक रेट से 470 रन बना लिए हैं। दोनों के बल्ले से अब तक 72 छक्के और 96 चौके निकल चुके हैं। सनराइजर्स के पास हेनरिक क्लासेन जैसा विस्फोटक बल्लेबाज मौजूद है। उन्होंने 180 के स्ट्राइक रेट से 413 रन बनाए हैं। वहीं, उनके बल्ले से 34 छक्के निकले हैं। क्लासेन आते ही बड़े शॉट खेलने के लिए जाने जाते हैं। आज देखना होगा कि कौन फाइनल की टिकट कटाता है।

# कल से नौतपा, नहीं बदलेगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

**रायपुर।** साल के सबसे गर्म नौ दिन, जिन्हें नौतपा कहा जाता है, इसकी शुरुआत 25 मई से हो रही है और 2 जून तक रहेगी। ज्योतिषियों के अनुसार 25 मई दोपहर 3.17 बजे सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ ही नौतपा शुरू होगी और कृष्ण पक्ष की द्वितीया को सूर्य कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर आठ जून तक इसी नक्षत्र में रहेंगे।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नौतपा के शुरूआती चार दिन में तो तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में बारिश के साथ अंधड़ चलने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश में इन दिनों नमी का आना शुरू हो गया है। इसके चलते शुक्रवार को बस्तर व सरगुजा संभाग के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ के साथ बारिश के आसार हैं। हालांकि प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। इससे पहले रायपुर सहित प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहा। भले ही तापमान में मामूली गिरावट रही, लेकिन उमस में बढ़ोतरी रही। रायपुर का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम व न्यूनतम तापमान दोनों ही सामान्य से थोड़े कम रहे, लेकिन तेज धूप के चलते उमस अधिक रही।

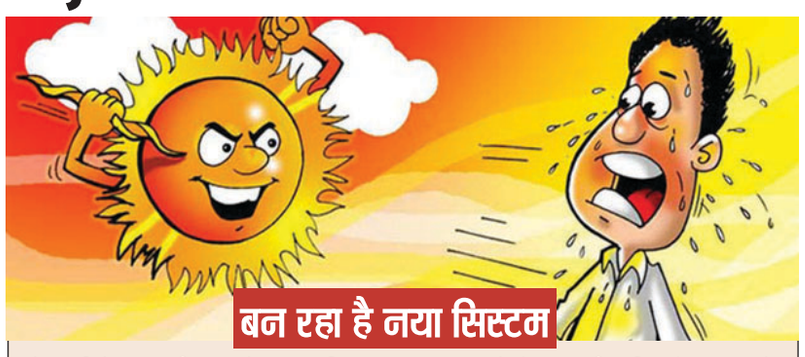


मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम राजस्थान से झारखंड तक 0.9 किमी ऊंचाई तक फैला है। साथ ही ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम बिहार के ऊपर 0.9 किमी ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर व दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में अंधड़ चलने के साथ ही बारिश के आसार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार 27 व 28 मई को तपिश बढ़ने की संभावना है तथा 29 मई को तापमान में थोड़ी गिरावट आएगी और तपिश कम होगी। इसके बाद 30 मई से 2 जून तक मौसम के मिजाज में विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है।

### सबसे गर्म रहा तिल्दा

प्रदेशभर में तिल्दा सर्वाधिक गर्म रहा। तिल्दा का अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ के साथ बारिश की संभावना है। पेंड्रा रोड का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस और अंबिकापुर का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में मौसम का मिजाज फिलहाल ऐसा ही बना रहेगा और कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने के साथ हल्की बारिश के आसार बने हुए हैं।

## जगन्नाथ के चौखट पर धर्म की राजनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनीति का भी एक धर्म है। यह तो चाणक्य नीति के विशेषज्ञों का दौर है। उन्हें तो पता ही होगा राजनीति के धर्म के बारे में। पर अभी वो इसके बारे में बात नहीं कर सकते। अभी धर्म की राजनीति का दौर चल रहा है। वैसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी स्वयं राजधर्म की बात कह चुके हैं। उन्होंने गुजरात दंगों के समय वहां की सरकार को राजधर्म के पालन की सलाह दी थी। उन दिनों मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। यह वह दौर था जब भाजपा अपने फायर ब्रांड नेताओं के लिए जानी जाती थी। पर तब कोई भी लाइन क्रॉस नहीं करता था। अब वह बात नहीं रही। एक नया नरेटिव तैयार हो गया है। जो भाजपा का समर्थक नहीं वह न केवल हिन्दू नहीं बल्कि राष्ट्रभक्त भी नहीं। इसके साथ ही हर बात में भगवान के नाम को भी जबरदस्ती घसीटा जाने लगा। भगवान के नाम का यह रैंडम उपयोग किसी को कहां तक लेकर जा सकता है, इसे संबित पात्रा के उदाहरण से समझा जा सकता है। बड़बोले संबित पात्रा की इस बार जुबान फिसल गई। उन्होंने भगवान जगन्नाथ को भी मोदी का भक्त बता दिया। ज्यादा बोलने का यही नतीजा होता है। कुछ का कुछ निकल जाता है। उन्हें जगन्नाथ को मोदी का भक्त नहीं कहना चाहिए था। वैसे तो उन्हें यह भी नहीं कहना चाहिए था कि मोदी जगन्नाथ के भक्त हैं। आप किसके भक्त हो इसे चुनाव के दौरान कहना क्यों जरूरी है? बहरहाल, पात्रा ने इस घटना के बाद तीन दिन का उपवास रखकर प्रायश्चित्त कर लिया। इससे पहले जगन्नाथ मंदिर के 'रत्नभंडार' का मामला स्वयं मोदी उठा चुके हैं। तभी से यह सिद्ध करने की कोशिश हो रही है कि ओड़ीशा की पूर्ववर्ती सरकारों ने इस 'रत्नभंडार' का दुरुपयोग किया है। इसमें तमिलनाडु का नाम भी घसीट लिया गया। ओड़ीशा के मौजूदा सीएम के एक करीबी सहयोगी तमिलनाडु से आते हैं। अब आते हैं मामले पर। 4 अप्रैल 2018 को ओड़ीशा हाईकोर्ट के निर्देश पर रत्न भंडार का भौतिक निरीक्षण किया जाना था। तब खजाने के बाहरी कक्ष में संग्रहित आभूषणों को ही सूचीबद्ध किया जा सका। भीतर वाले कक्ष की चाबियां नहीं मिलीं। लगभग 862 साल पुराने इस मंदिर में बेशकीमती आभूषण भेंट किये जाते रहे हैं। तभी यह बात पहली बार सामने आई कि आंतरिक कक्ष को आखिरी बार 14 जुलाई 1985 को खोला गया था। इसपर एक न्यायिक आयोग का गठन किया गया जिसकी रिपोर्ट 29 नवंबर, 2018 को सरकार को सौंप दी गई। इस रिपोर्ट को कभी आम नहीं किया गया। अब सवाल यह उठता है कि क्या पात्रा की जुबान वाकई फिसली थी, या एक रणनीति के तहत ऐसा किया गया? वैसे बताते चलें कि जगन्नाथ मंदिर का संचालन सरकार नहीं बल्कि जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति करती है। पुरी के गजपति महाराजा इस समिति के अध्यक्ष तथा पुरी जिलाधीश इसके पदेन उपाध्यक्ष होते हैं।

## संपादकीय

# चुनाव आयोग से अपेक्षा

चुनाव आयोग से अपेक्षाएं बढ़ी हैं, तो शिकायतों का भी अंबार लगने लगा है। इसी कड़ी में आयोग के ताजा हलफनामे को देखा जा सकता है। चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया है कि आयोग के लिए फॉर्म 17सी के आधार पर मतदान संबंधी आंकड़ों के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने का कोई कानूनी आदेश नहीं है। आयोग मानता है कि इन आंकड़ों का खुलासा अतिसंवेदनशील हो सकता है।

> चुनाव आयोग ने यह हलफनामा 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स', यानी एडीआर और 'कॉमन कॉज' द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में दायर किया है। याचिका में मौजूदा लोकसभा चुनावों में मतदान डाटा के तत्काल प्रकाशन की मांग की गई है और चुनाव आयोग शायद इसके लिए तैयार नहीं है। ध्यान रहे, यह देश अपनी तमाम सांविधानिक संस्थाओं से ज्यादा से ज्यादा पारदर्शिता की अपेक्षा करता है। सहजता से अगर देखें, तो कोई संस्था जब अपने आंकड़ों की गोपनीयता के प्रति ज्यादा आग्रह दिखाती है, तब बहुत से संवेदनशील लोग चिंतित हो जाते हैं। पारदर्शिता से ही विश्वसनीयता का विकास होता है और आयोग को यथासंभव जल्दी के साथ मतदान संबंधी आंकड़ों को सार्वजनिक करना चाहिए।

हां, तकनीकी रूप से चुनाव आयोग सही है। आंकड़ों को सबके लिए सार्वजनिक करना उसका कानूनी कर्तव्य नहीं है। बाध्यता नहीं है कि आयोग फॉर्म 17सी के तहत दर्ज प्रामाणिक आंकड़ों को सबसे साझा करे। दरअसल, चुनाव आयोग आंकड़ों की खान है और वह अपने तमाम आंकड़ों को उजागर करता रहा है। उसे इस मोरचे पर किसी भी तरह की हिचक से बचना चाहिए। संविधान रचने वालों ने सांविधानिक संस्थाओं से यही उम्मीद की थी कि जैसे-जैसे देश के लोगों को जरूरत होगी, ये संस्थाएं अपने को समय के अनुरूप बदलेंगी। हर बात के लिए लिखित कानून का इंतजार या कानून के अभाव का हवाला अनुचित है। अगर आयोग ने समय के साथ अपनी किसी नीति में परिवर्तन किया है, तो उसके बारे में भी लोगों को पता होना चाहिए। मात्र तकनीकी आधार पर सूचनाओं के प्रसार को नहीं रोका जा सकता। यह कहना नैतिक रूप से ठीक नहीं है कि उम्मीदवार या उसके पोलिंग एजेंट के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फॉर्म 17सी की सूचनाएं प्रदान करने का कोई कानूनी आदेश नहीं है। इस समग्र मामले को पूरी गंभीरता और साफगोई से देखना चाहिए। वैसे तो चुनाव आयोग मतदान के आंकड़े जारी कर रहा है, पर जारी करने में देरी हो रही है और इसी देरी से संदेहों को बल मिल रहा है। अनेक लोग सवाल उठा रहे हैं। एक विश्लेषण के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनावों के पहले चार चरण के लिए हुए चुनाव में मतदान आंकड़ों में 1.07 करोड़ वोटों का अंतर लगता है। आशंका है कि प्रति सीट औसतन 28,000 वोटों की वृद्धि हो रही है। ये वोट किधर जा रहे हैं, इससे किसे लाभ होगा, इसकी चिंता अगर कुछ चुनाव विशेषज्ञों को हो रही है, तो आश्चर्य नहीं। चुनाव आयोग को अपने ठोस और अकाट्य जवाब के साथ सामने आना चाहिए। तकनीकी बहानों के पीछे ज्यादा समय तक छिपा नहीं जा सकता, क्योंकि अंतत: आज के समय में आंकड़ों को छिपाना असंभव है। छिपाए गए आंकड़े देर-सबेर सामने आएंगे, तब इससे आयोग की ही प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। अत: आयोग को अपने वर्तमान ही नहीं, भविष्य को भी संदेहों से परे बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए।

## नजरिया

# चुनावी हिंसा पर लगी रहे लगाम

*बहुत जगह मैं चुनाव कराने में भागीदार रहा हूं। पुलिस सेवा के अपने लंबे करियर के शुरू में, जब हम लोग नौकरी में आए ही थे, तब 1980 का चुनाव था, इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आई थीं।*

दिलीप त्रिवेदी, पूर्व आईपीएस अधिकारी

एक पुलिस सेवा अधिकारी के रूप में हम लोग पहले बहुत चिंतित रहते थे कि मतदान केंद्र पर कोई समस्या न हो जाए। हिंसा न हो जाए। कहीं गड़बड़ी होती थी, तब लोग मानते थे कि प्रशासन समर्थ नहीं है, इसलिए ऐसी घटनाएं होती हैं। फिर एक दौर आया, जब चुनाव आयोग ने कहा कि पुनर्मतदान समस्या नहीं है, जहां भी जरूरी हो, पुनर्मतदान का फैसला किया जाएगा। इस फैसले का बहुत असर हुआ, चुनावी हिंसा घटने लगी। गड़बड़ी करने वालों के बीच संकेत चला गया कि अगर हमने कहीं कोई अनियमितता की, तो हमारी पूरी साजिश नाकाम हो जाएगी, क्योंकि चुनाव आयोग कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में इस बूथ पर पुनर्मतदान कराएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन शेषन के समय तो यह और भी स्पष्ट हो गया कि जहां भी हिंसा या गड़बड़ी होगी, वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा।

नेताओं को भी यह लगने लगा कि मतदान या चुनाव के समय हिंसा से कुछ नहीं होने वाला। राजनीतिक दलों को भी यह एहसास हो गया कि बाहुबल से दादागीरी नहीं चलने वाली। धीरे-धीरे शारीरिक हिंसा बहुत कम हो गई, जबकि एक समय अपराधी बैलेट बॉक्स लेकर भागते थे और गोली चलाने की नौबत आ जाती थी।

जब मैं सीआरपीएफ में डीजी था, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में साल 2013 में चुनाव था। स्पष्ट निर्देश था कि अगर किसी मतदान केंद्र पर मतदान दल नहीं पहुंच पाता है, तो जान को जोखिम में नहीं डालना है। दो-तीन जगह जो बच जाएंगे, वहां बाद में पूरी तैयारी के साथ मतदान करा लेंगे। इसका फायदा यह हुआ कि नक्सल प्रभावित इलाकों में भी बहुत कम हिंसा हुई थी। कहीं भी हिंसक तत्वों को अगर हिंसा का लाभ नहीं दिखे, तो वे हिंसा से बाज आते हैं।

बहरहाल, साल 2024 के आम चुनाव में फिर हिंसा दिख रही है। पहले संभल में हुई, फिर छपरा में हुई। पश्चिम बंगाल में तो लगातार हो रही है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? अनेक लोगों की यह शिकायत है कि हमारा चुनाव आयोग इस पर पूरा ध्यान नहीं दे पा रहा है। ऐसे में, अनेक नेताओं को लगने लगा है कि अगर चुनाव या मतदान के दिन उन्होंने गड़बड़ी की, तो वे बच जाएंगे और चुनाव भी जीत जाएंगे।

इस बार चुनाव चूंकि टक्कर का है, इसलिए हिंसा की स्थिति बन रही है। दूसरी बात, चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें भी आ रही हैं। कड़े कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। गौर कीजिए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को तगड़ी फटकार लगाई है। चुनाव आयोग के इंतजाम पर बड़े सवाल उठे हैं। हिंसक तत्वों तक जो कड़ा संदेश पहुंचना चाहिए, वह शायद इस बार ठीक से नहीं पहुंच रहा है।

अब बमुश्किल दस दिन बाद मतगणना है। मुझे लगता है, जो भी हिंसा होगी, मतगणना के पहले हो जाएगी, उसके बाद हिंसा की आशंका कम है। हां, पश्चिम बंगाल में कुछ इलाके हैं, जहां मतगणना के बाद हिंसा की कुसंस्कृति बन गई है। मतगणना चंद जगहों पर सीमित दायरे या परिसर में होती है और पहले का दौर नहीं है, जब चीजों को छिपा लिया जाता था, कैमरे नहीं हुआ करते थे। आज मीडिया और सोशल मीडिया चप्पे-चप्पे पर मौजूद है। जो भी गड़बड़ी करेगा, उसकी कोई न कोई वीडियो बनाएगा और वह वायरल हो जाएगा। वायरल होने के बाद अपराधियों पर शामत आ जाएगी। अत: मुझे लगता है, अब मतगणना के समय कहीं हिंसा करना बहुत मुश्किल है। आखिर कोई क्यों हिंसा करते दिखकर अपना राजनीतिक करियर खराब करेगा?

हां, कुछ इलाके पहले बिहार, उत्तर प्रदेश में ज्यादा थे और अब पश्चिम बंगाल में ज्यादा हैं, जहां हारने वाले को लगता है कि उसकी दादागीरी नहीं चली, तो वह हिंसा का सहारा लेता है। हार का गुस्सा निकालने का काम बाहुबलियों के इशारे पर महीने-छह महीने तक चलता रहता है। बहुत जगहों पर लोगों को पता चल जाता है कि किसने किसको वोट दिया और इसे लेकर हिंसा होती है। उत्तर प्रदेश में भी ऐसे अनेक ताकतवर नेता रहे हैं, जिन्होंने ऐसी हिंसा का सहारा लिया है। वैसे, ध्यान रहे, ऐसी हिंसा को सिर्फ पुलिस बल या प्रशासन के सहारे नहीं रोका जा सकता, इसे रोकने के लिए बहुत सशक्त राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। हिंसा वाले इलाकों में समाज को जगाने की जरूरत है। यह देखने की बात है कि चुनावी हिंसा दक्षिण भारत के राज्यों में नहीं होती है, क्योंकि ऐसी हिंसा की निरर्थकता को वहां के राजनीतिक और सामाजिक नेता समझते हैं।

चुनावी हिंसा को पूरी तरह रोकने में हमारी नाकामी के पीछे देश की बंटी हुई राजनीति का भी बड़ा योगदान है। अनेक राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियों की सरकार है और कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है। कुछ राज्यों में बाहुबली तत्वों को स्थानीय स्तर पर समर्थन मिलता है, जिससे समाज और राजनीति में हिंसा, बाहुबल और अपराध को बढ़ावा मिलता है। मिसाल के लिए, उत्तर प्रदेश में अतीक अहमद थे या बिहार के मोहम्मद शहाबुद्दीन, इनके हारने या जीतने के बाद भी साल भर हिंसा का सिलसिला चलता था। बेशक, ऐसी हिंसा में कमी आई है, पर ऐसी हिंसा के पटाक्षेप के लिए समग्रता में समाज और राजनीति के स्तर पर भी कदम उठाने पड़ेंगे।

यह जरूरी है कि हिंसक तत्वों को किसी भी स्तर पर आगे न आने दिया जाए। पुलिस केवल अपने स्तर पर यह काम नहीं कर सकती, क्योंकि अनेक पुलिस अधिकारी राजनेताओं से जुड़कर काम करने में अपना ज्यादा फायदा देखते हैं, इससे पुलिस बल में गलत संदेश जाता है। किसी अधिकारी को अगर अपराध रोकने के लिए, समाज की सेवा के लिए जान जोखिम में डालने पर सम्मानित किया जाए, तो समझ में आता है, पर जब सियासी किस्म की सेवा के लिए किसी अधिकारी को पुरस्कृत किया जाए, तो पूरी व्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है और चुनाव के समय इसका असर दिखता है। अत: चुनावी हिंसा रोकने के लिए ही नहीं, बल्कि चाक-चौबंद चुनाव कराने के लिए भी सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

# ईंधन दम घोंट रहा

पंकज चतुर्वेदी

राजधानी दिल्ली की हवा में इन दिनों अजब किस्म का जहर घुल रहा है। अजब इसलिए कि जिस ईंधन से वाहनों को चलाना सुरक्षित घोषित किया गया था, अब वही ईंधन दम घोंट रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजे एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 224 है और इस बार हवा का मिजाज बिगड़ने का अकारण नाइट्रोजन डाई आक्साईड (एनओ 2) का आधिक्य है। एनओ-2 की हवा में मौजूदगी कार्बन डाई आक्साइड से भी अधिक घातक होती है। सीपीसीबी का आकलन है कि एनओ 2 की मात्रा बढ़ने का कारण सीएनजी वाहनों से निकलने वाली रासायनिक गैस हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के तंत्र ने महज पीएम 2.5 और 10 को नियंत्रित करने की कोशिशें की और इसके लिए सीएनजी वाहनों की संख्या इतनी हो गई कि अब काला धुएं की जगह अदृश्य धुआं इंसानों के जीवन का दुश्मन बना है। जुलाई-21 में जारी की गई रिपोर्ट 'बिहाइंड द स्मोक स्क्रीन-सैटेलाइट डाटा रिवील एयर पॉल्यूशन इन्क्रीज इन इंडियाज एट मोस्ट पॉपुलस स्टेट कैपिटल्स' में चेतावनी दे गई थी कि साल दर साल दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा में इजाफा हो रहा है।

सेटेलाइट डाटा विश्लेषण के आधार पर ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2020 की तुलना में अप्रैल 2021 में दिल्ली में नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा 125 फीसद तक ज्यादा रही। ग्रामीण क्षेत्रों में तो नाइट्रोजन ऑक्साइड के बढ़ने के कारण खेती में अंधाधुंध रासायनिक खाद का इस्तेमाल, मवेशी पालन आदि होता है, लेकिन बड़े शहरों में इसका मूल कारण निरापद या ग्रीन फ्यूल कहे जाने वाले सीएनजी वाहनों का उत्सर्जन है। जान लें नाइट्रोजन की ऑक्सीजन के साथ मिल कर बनीं गैसें-जिन्हें 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन' कहते हैं, मानव जीवन और पर्यावरण के लिए उतनी ही नुकसानदेह हैं जितना कार्बन आक्साईड या मोनो आक्साइड।

यूरोप में हुए शोध बताते हैं कि सीएनजी वाहनों से निकलने वाले नेनो मीटर (एनएम) आकार के बेहद बारीक कण कैंसर, अल्जाइमर, फेफड़ों के रोग का खुला न्योता हैं। पूरे यूरोप में इस समय सुरक्षित ईंधन के रूप में वाहनों में सीएनजी के इस्तेमाल पर शोध चल रहे हैं। विदित हो यूरो-6 स्तर के सीएनजी वाहनों के लिए भी कण उत्सर्जन की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है और इसी लिए इससे उपज रहे वायु प्रदुषण और उसके इंसान के जीवन पर कुप्रभाव और वैश्विक पर्यावरण को हो रहे नुक्सान को नजरअंदाज किया जा रहा है। जान लें पर्यावरण मित्र कहे जाने वाले इस ईंधन से बेहद सूक्षम लेकिन घातक 2. 5 एनएम (नेनो मीटर) का उत्सर्जन पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में 100 से 500 गुना अधिक है। खासकर शहरी यातायात में जहां वाहन बहुत धीरे चलते हैं, भारत जैसे चरम गर्मी वाले परिवेश में सीएनजी वाहन उतनी ही मौत बांट रहे हैं जितनी डीजल कार-बसें नुकसान कर रही थी बस कार्बन के बड़े पार्टकिल कम हो गए हैं। यह सच है कि सीएनजी वाहनों से अन्य ईंधन की तुलना में पर्टकिुलेट मेटर 80 फीसद और हाइड्रो कार्बन 35 प्रतिशत कम उत्सर्जित होता है, लेकिन इससे कार्बन मोनो आक्साइड उत्सर्जन पांच गुना अधिक है। शहरों में स्मोग और वातावरण में ओजोन परत के लिए यह गैस अधिक घातक है।

परिवेश में 'आक्साईड आफ नाइट्रोजन 'गैस अधिक होने का सीधा असर इंसान के स्वशन तंत्र पर पड़ता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 2011 के एक अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि सीएनजी पर्यावरणीय कमियों के बिना नहीं है, यह कहते हुए कि सीएनजी जलाने से संभावित खतरनाक कार्बोनिल उत्सर्जन की उच्चतम दर पैदा होती है। अध्ययन से पता चला था कि रेट्रोफिटेड सीएनजी कार इंजन 30 प्रतिशत अधिक मीथेन उत्सर्जित करते हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विविद्यालय के एक अध्ययन में कॉनर रेनॉल्ड्स और उनके सहयोगी मिलिंद कांडलीकर ने वाहनों में सीएनजी इस्तेमाल के कारण ग्रीनहाउस गैसों कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन के प्रभावों पर शोध किया तो पाया कि इस तरह के उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जान लें कि सीएनजी भी पेट्रोल-डीजल की तरह जीवाश्म ईंधन ही है। यह भी स्वीकार करना होगा कि ग्रीनहाउस गैसों की तुलना में एरोसोल (पीएम) अल्पकालिक होते हैं, उनका प्रभाव अधिक क्षेत्रीय होता है और उनके शीतलन और ताप प्रभाव की सीमा अभी भी काफी अनिश्चित है। सीएनजी से निकली नाइट्रोजन आक्साईड अब मानव जीवन के लिए खतरा बन कर उभर रही है। दुर्भाग्य है कि हम आधुनिकता के जंजाल में उन खतरों को पहले नजरअंदाज करते हैं जो आगे चल कर भयानक हो जाते हैं। जान लें प्रकृति के विपरीत ऊर्जा, हवा, पानी किसी का भी कोई विकल्प नहीं हैं। नैसर्गिकता से अधिक पाने का कोई भी उपाय इंसान को दुख ही देगा।

**( ये लेखक के विचार हैं )**

## केपी-1 और केपी-2 से घबराहट का माहौल

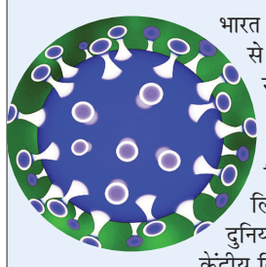

भारत में कोविड-19 के उपस्वरूप केपी-2 से 290 और केपी-1 से 34 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि होने के साथ ही आम जन में घबराहट का माहौल है। कोविड-19 के ये दोनों उपस्वरूप सिंगापुर में संक्रमण के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार हैं, और इस संक्रमण से दुनिया भर के देश चिंतित हो गए हैं।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करने वाली 'इंडियन सार्स-सीओवी-2 कंसोर्टियम ऑन जीनोमिक्स (आईएनएससीओजी) द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, नये मामले सात राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सामने आए हैं।

हालांकि महामारी विशेषज्ञों ने कहा है कि घबराने या चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'इस विषाणु के स्वरूप में तेजी से बदलाव होते रहेंगे और यह सार्स-सीओवी2 जैसे विषाणुओं का नैसर्गिक गुण है।' इन उपस्वरूपों से होने वाला संक्रमण उतना गंभीर श्रेणी का नहीं होगा कि अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ जाए या संक्रमित व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ जाए।

बहरहाल, कोविड-19 ने जिस तरह भारत में जनजीवन और कारोबार को पटरी से उतारा था, और काफी संख्या में लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है, उससे कोविड-19 के संक्रमण के दोबारा दस्तक देने भर से लोगों में सिहरन होने लगती है। कोविड-19 के संक्रमणकाल में देश का स्वास्थ्य ढांचा बुरी तरह नाकाम साबित हुआ था।

लोग हलकान हो गए थे। अर्थव्यवस्था पटरी से उतरी तो काफी समय बाद सामान्य रफ्तार पकड़ सकी। प्रवासी कामगार पैदल ही अपने घर-गांव जाने के लिए सड़कों पर निकल पड़े थे। उन्हें रोकने के प्रयास किए गए तो कई जगह पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए थे, उन्हें अपने घर-गांव लौटने से रोकने में।

दरअसल, मौत का इस कदर खौफ छा गया था कि लोग यह कहते सुने गए थे कि मरना ही है, तो अपने घर पर मरेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत लोग भी दो हिस्सों में बंटे नजर आए। एक हिस्से में ऐसे सेवाभावी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ था, जिन्होंने जान की परवाह न करते हुए संक्रमितों का उपचार किया तो दूसरा हिस्सा ऐसे लोग थे जिन्होंने उपचार के नाम पर लोगों को खुले हाथ लूटने का काम किया। कई नामी अस्पताल अपना दायित्व भूलकर चांदी काटने में जुट गए थे। बहरहाल, जैसा मंजर था, वह इस नये संक्रमण की दस्तक मात्र से ही सिहरन पैदा करता है, तो हैरानी नहीं।

# सावधान! रेलवे फाटक पर रुकिए, देखिए तब जाइए

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार व लेखक, स्तंभकार

याद रहे! समय है बहुमूल्य पर जीवन है अनमोल। बंद रेल फाटक को पार करने का प्रयास जोखिम भरा और जुर्म भी है। यथा रेल फाटक पर सब्र रखें, सतर्क रहें। आपका परिवार घर पर इंतजार कर रहा है। आप किसी के लिए भला कुछ ना हो लेकिन आप अपने परिवार के लिए सब कुछ हो। कदापि बंद रेलवे फाटक को किसी भी स्थिति में पार न करें। चाहे कोई हो मजबूरी, बंद रेलवे फाटक पार करना नहीं है जरूरी। कवायद रेलवे ने संबंधी गेटमैन को आदेश दे रखा हैं कि फाटक बंद करने के बाद केबिन से बाहर निकल आएं और फाटक के बीच खड़े होकर दोनों ओर खड़े लोगों से बंद फाटक को क्रास न करने की अपील करें। रेलवे प्रशासन फाटक पर जागरूकता के लिए पोस्टर भी लगे हुए है। बावजूद हमारी जल्दबाजी के चक्कर में जागरूकता रफूचक्कर हो रही है।

दरअसल, रेलवे फाटक बंद होने का मकसद यही होता है कि ट्रेन किसी भी समय आ सकती है, लोग सावधान हो जाएं। जैसा कि हम जानते है कि ट्रेन गुजरने से पहले लोगों की सुरक्षा के लिए फाटक बंद किए जाते हैं। ट्रेन आने से कितने समय पहले और कितनी देर तक रेलवे फाटक बन्द करने का नियम होता है? ट्रेन आने से लगभग दस मिनट पहले रेलवे फाटक बंद किया जाता है। रेलगाड़ी पूरी तरह से गुजर जाने के लगभग दो-तीन मिनट के बाद रेलवे फाटक खोल दी जाती है। लेकिन इसके बावजूद भी कुछ लोग इन सब बातों को दरकिनार करते हुए बंद फाटक के नीचे से निकलने का प्रयास करते हैं। इनमें साइकिल, स्कूटर, बाइक सवार ही नहीं बल्कि पैदल चलने वाले बुजुर्ग, महिलाएं व स्कूली बच्चे भी शामिल होते हैं। जल्दबाजी में ये लोग यह भूल जाते हैं कि उनकी नासमझी उन्हें मंहगी पड़ सकती है।

अप्रिय, कई बार तो रेल बिलकुल समीप होने पर भी वे फाटक को पार करने से परहेज नहीं करते। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ न ही स्थानीय प्रशासन कुछ करने के मूड में नजर आ रहा है और न ही रेलवे प्रशासन की ओर से कोई कदम उठाएं जा रहे है। रेलवे विज्ञापन इत्यादि के जरिए तो लोगों को बंद फाटक पार न करने के लिए जागरुक करता है और ऐसा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी की बात कही जाती है। एक आदमी को देखकर अन्य भी फाटक बंद होने के बावजूद नीचे से गुजरने लगते हैं। आखिर! सब कुछ जान के भी खुद खतरे में क्यूं डालते हैं जान?

लिहाजा, रेलवे नियमों के अनुसार बंद फाटक के नीचे गुजरना अपराध है। ऐसा करने वालों पर रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत मामला दर्ज जाता है। छह महीने की कैद व 500 रुपये जुर्माने अथवा दोनों एक साथ का प्रावधान है। रेलवे ने लोगों के लिए खास सुझाव दिया गया है कि यदि वह कभी भी रेलवे फाटक के पास जाए तो चौकीदार के ऊपर यह दबाव न बनाएं कि वह फाटक को खोल दे। यदि वह ऐसा करते हैं तो सजा के पात्र होंगे। बनिस्बत हमें गेटमैन को अक्लमंदी से सहयोग करना चाहिए। स्थिति को रोकने के लिए रेलवे को एक पाइप का फाटक नहीं अपितु जाली नुमा आकर की फाटक लगाना चाहिए। ताकि नीचे से गुजरने की कोई गुंजाइश ही ना बचे। बेहतर हम सब मिलकर यह संकल्प ले की बंद रेलवे फाटक को पार करने से बचे। येही अभिकल्पना हमें, अपने परिवार और समाज को बचाएगी। सावधान! रेलवे फाटक पर रुकिए, देखिए तब जाइए। तभी हमारी समझदारी, सावधानी जरूरी और जिम्मेदारी से राष्ट्र की जीवन रेखा रेलवे बनेगी हितकारी।

**( ये लेखक के विचार हैं )**

# मतदान प्रतिशत बढ़ने में कारगर साबित हो सकते हैं यह उपाय

अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

लोकसभा चुनाव 2024 के पांच चरणों का मतदान पूरा हो चुका है, हालांकि अब तक हुई 429 सीटों पर औसत मतदान लगभग 57.44 प्रतिशत रहा है। खुद चुनाव आयोग 60 फीसदी से कम मतदान को चिंताजनक मानता है। ऐसे में उन कारणों पर बात करना जरुरी है जो लगातार मतदान के प्रति लोगों के कम होते रुझान की वजह हो सकते हैं या उन वजहों पर ध्यान देने की आवश्यकता है जो कम मतदान का कारण बन रहे हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ सवाल उठाने, उनके हल खोजने और कुछ सुविधाओं को सुलभ बनाने की आवश्यकता पर बात करना जरुरी है। ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि देश का कोई भी वयस्क नागरिक कहीं से भी मतदान कर सके? क्यों न 75 वर्ष से ऊपर या बीमार व्यक्तियों के लिए एक मोबाइल पोलिंग बूथ की व्यवस्था हो? ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि 75 वर्ष से ऊपर या जरूरतमंद मतदाताओं को लाने-छोड़ने की व्यवस्था हो! ऐसे ही क्यों न पर्यटन या जरुरी कामों से सफर कर रहे मतदाता भी अपने मताधिकार का उपयोग करने में सक्षम हों? यूं भी एक चुनाव में हजारों करोड़ रुपये का खर्च आता है, फिर ऐसी कुछ व्यवस्थाओं में कुछ करोड़ और खर्च कर के यदि मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सकता है तो क्यों न इन उपायों पर गंभीरता से विचार किया जाये?

चुनाव आयोग के नियमानुसार आपको आपके निर्वाचन क्षेत्र में ही मतदान देने का अधिकार है। इसके लिए आपको मतदाता सूची में खुद को पंजीकृत करना जरुरी है। यहां तक तो ठीक है लेकिन क्यों न ऐसी कोई व्यवस्था हो जो ऐसे मतदाताओं को कवर करती हो जो किसी भी कारण, भले रोजगार हो, व्यवसाय हो, पर्यटन हो या मेडिकल इमरजेंसी, से अपने निर्वाचित क्षेत्र में मतदान वाले दिन उपलब्ध नहीं हैं। इन मतदाताओं के लिए प्रत्येक शहर में किसी भी निजी या सरकारी भवन में ऐसी व्यवस्था की जा सकती है जिससे वह

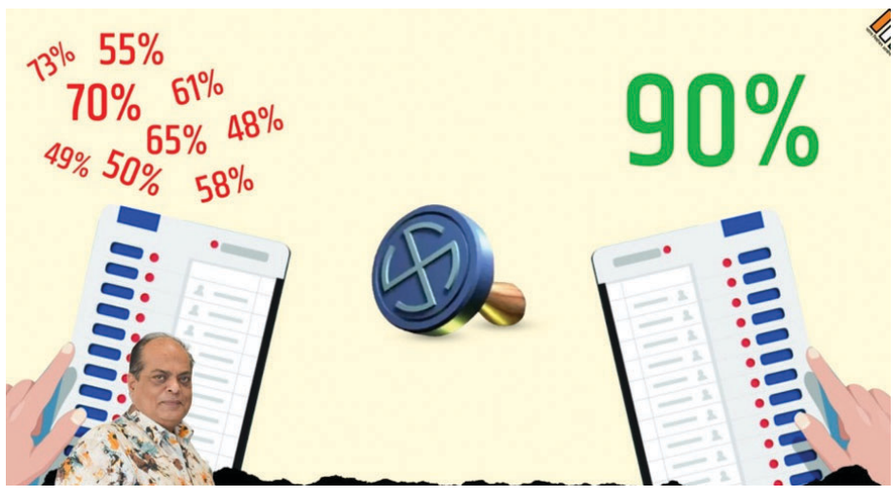


अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सके। हम एक एडवांस टेक्नोलॉजी वाले युग में जी रहे हैं, जहां हर रोज नए इन्वेंशन देखने को मिलते हैं, वहां क्या ऐसा कुछ नहीं हो सकता कि एक टेक्नोलॉजी बेस्ड सिस्टम हो, जो इंदौर के किसी मतदाता जो यदि कानपुर में हो तो वह कानपुर में ही अपने मताधिकार का इस्तेमाल ऑनलाइन माध्यम से कर सके तथा इसका रिकॉर्ड इंदौर पोलिंग स्टेशन में दर्ज हो। जाहिर तौर पर इसमें कुछ बेसिक दिक्कतें जरूर हो सकती हैं लेकिन इन्ही दिक्कतों के ऊपर कम वोटिंग प्रतिशत का हल ढूंढा जा सकता है। जिस प्रकार सेना, सुरक्षा बलों या चुनाव ड्यूटी में लगाए गए कर्मचारियों को अपने मतदान केंद्र पर जाने की जरूरत नहीं होती और वे अपने कार्य स्थल से ही बैलेट पेपर पर वोट डाल सकते हैं, ऐसी ही कुछ व्यवस्था उन लोगों के लिए भी हो जो विभिन्न कारणों से अपने पोलिंग स्टेशन पर उपलब्ध नहीं हो पाते।

दूसरी ओर वर्तमान लोकसभा चुनाव की ही बात करें तो इस बार 100 साल से ज्यादा के 2.18 लाख वोटर हैं। क्यों न ऐसे वोटर्स के लिए एक मोबाइल बूथ की व्यवस्था हो। हर शहर में कुछ ऐसे मोबाइल बूथ कार्यरत हों जो चिन्हित मतदाताओं के एरिया में मौजूद हों, उनके घरों के समीप हों, जिससे उन्हें अपने मत का उपयोग करने में आसानी हो। इसी प्रकार 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को पोलिंग स्टेशन तक लाने-छोड़ने की व्यवस्था भी की जा सकती है। इसी प्रकार प्रत्येक पोलिंग स्टेशन पर मोबाइल हेल्थ केयर वैन, पीने के पानी आदि सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं की पहल भी की जा सकती है। अंत में हम यह भी नहीं कह सकते कि वोट देना नागरिकों का कर्त्तव्य है तो कुछ भी कैसी भी परिस्थिति का सामना कर के, वह अपने कर्त्तव्य का पालन करें। यदि कम होते वोट प्रतिशत में बढ़ोतरी करनी है तो उपरोक्त कारणों और उनके उपायों पर भी गंभीरता से विचार किया जा सकता है, क्योंकि यदि ऐसे ही वोटिंग प्रतिशत कम होता गया तो इसे नागरिकों के लोकतंत्र से उठते विश्वास के रूप में भी देखा जायेगा, जो भारत जैसे विकासशील देश के लिए सम्मानजनक स्थिति नहीं है।

**( ये लेखक के विचार हैं )**

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़
शुक्रवार, 24 मई 2024

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM



## खास खबर

### शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहल सभी छात्रावास-आश्रमों में व्यवस्था पूरी करें : कलेक्टर

**कवर्धा।** कलेक्टर जनमेजय महोबे ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के प्रारंभ होने से पहले आदिम जाति विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों के अधीक्षकों की बैठक लेकर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आश्रम-छात्रावासों के तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी विषयों पर चर्चा कर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर महोबे ने बैठक में छात्रावास-आश्रमों में विशेष स्वच्छता, बनाए रखने, भवनों के मरम्मत, दीवारों में महत्वपूर्ण जानकारियों के दीवार लेखन, आश्रम-छात्रावासां में प्रवेश की कार्यवाही, कन्या छात्रावासों में मूलभूत सुविधा, छात्रवृत्ति का ऑनलाईन भूगतान, अधीक्षक का व्यक्तित्व छात्रावास-आश्रम के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर नियंत्रण, समय सारणी, अधीक्षक एवं चौकीदार निवास, बच्चों के गृह कार्य, छात्रावास-आश्रमों के बच्चों का सर्वांगीण विकास, बागवानी, अभिलेखों का संधारण, छात्रवृत्ति वितरण एवं बचत राशि, स्वास्थ्य परीक्षण, निगरानी समिति की बैठक एंव गठन, पालक-बालक सम्मेलन, उच्चाधिकारियों को सूचित करना, कन्या छात्रावास-छात्रमों की विशेष निगरानी, समय-समय पर विभागीय अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण, छात्रावास-आश्रम निरीक्षण रिपार्ट, आदर्श छात्रावास-आश्रम की स्थापना, छात्रावास-आश्रमों के उन्नयन के लिए चेक लिस्ट तैयार करने, भवन के खाली जमीन पर बाड़ी लगाकर सब्जी एवं फ्रूल पौधों का रोपण, बाहरी एवं अध्यन कर चुके विद्यार्थियों का छात्रावास से निष्कासन, छात्रावास-आश्रमों के निरीक्षण में पाई गई कमियों का निराकरण सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं समीक्षा का आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधीक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले वे स्वयं जिले के किसी भी आश्रम-छात्रावासों की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचेंगे।

### श्रमिकों के सेहत और प्राथमिक उपचार में सहयोगी हैं मितानिनः सीएमएचओ डॉ पाणिग्राही

**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही के द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारियों, मितानिन, समन्वयकों के माध्यम से मनरेगा कार्य कर रहे श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु मितानिनों को कार्य स्थल पर प्राथमिक उपचार किट के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं । निर्देश के परिपालन में जिले में कार्यरत मितानिनें, श्रमिकों के कार्य समाप्ति तक उपस्थित रखकर सेवा भाव से प्राथमिक उपचार करते नजर आ रहे हैं । डॉ अवधेश पाणिग्राही ने बताया कि यही वो समय है, जब जिले के लगभग सभी ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्य चल रहे हैं। साथ ही साथ इन दिनों जिले में पड़ रही भीषण गर्मी के चलते मजदूरों के तबीयत खराब होने की भी संभावना रहती है,जिसको ध्यान में रखते हुए जिले में कार्यरत मितानिनों को श्रम स्थल पर उपस्थित रहकर जरूरतमंदों को प्राथमिक उपचार देने के निर्देश दिए गए हैं। मितानीन अपनी जिम्मेदारी का भली भांति निर्वहन करते हुए अपनी दवा पेटी के साथ श्रम स्थल पर नरेगा श्रमिकों की प्राथमिक उपचार दे रहे हैं । मितानीन दवा पेटी में आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां जैसे - दर्द, बुखार, गैस, पतला दस्त, छोटे -मोटे, चोट-मोच में ड्रेसिंग आदि की उपचार संबंधी दवाइयों की उपलब्धता करा दी गई है।

# धर्म के तहत नहीं होना चाहिए आरक्षण : विष्णुदेव साय

## सीएम साय ने किया कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलकत्ता हाई कोर्ट बुधवार को वर्ष 2010 के बाद तृणमूल सरकार द्वारा जारी कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र को असंवैधानिक बताते हुए उसे रद कर दिया है। जिसको लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, धर्म आधारित आरक्षण पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का निर्णय स्वागत योग्य है। यह धर्म आधारित वोटबैंक की राजनीति करने वालों, तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा है।

उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस और इंडी गठबंधन लगातार संविधान की हत्या की साज़िश कर रही है। हम सभी जानते हैं कि धर्म आधारित आरक्षण का भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। कल कलकत्ता उच्च न्यायालय का इससे संबंधित एक फ़ैसला आया है। जिसमें कोर्ट ने 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में जारी किए गए सभी धर्म आधारित ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया है। यह देश के ओबीसी, आदिवासी और तमाम पिछड़े समाजों के लिए बड़ा फ़ैसला है।

सीएम साय ने आगे कहा कि, हाईकोर्ट ये फैसले बताते

हैं कि, ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से, तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। इंडी गठबंधन केवल वोट बैंक की राजनीति के कारण लगातार आदिवासियों, पिछड़ों के हक पर डाका डाल रही है और उनका अधिकार छीन कर मुसलमानों को देना चाहती है। इसकी जितनी निंदा की जाय वह कम है। उन्होंने आगे कहा कि, इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि, वे इस निर्णय को नहीं मानेंगी और नहीं लागू करेंगी। यह बहुत ही दुर्भाग्यजनक है।

उन्होंने आगे कहा कि, हमारे पीएम मोदी लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि, धर्म आधारित किसी आरक्षण का भारत के संविधान में कोई स्थान नहीं है। लगातार संविधान के बारे में दुष्प्रचार करने वाली कांग्रेस को बताना चाहिए कि, इस तरह इंडी गठबंधन द्वारा किए जा रहे थे। इस कृत्य पर उनका क्या कहना है? भाजपा जहां परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है।

वहीं कांग्रेस और उसका इंडी गठबंधन तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पार कर हर हद पार कर रही है। ना तो भाजपा इसे जनता सहन करेगी और न ही देश का पिछड़ा, दलित और आदिवासी वर्ग इसे बर्दाश्त करेगा। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा।

### यह है कलकत्ता हाईकोर्ट का फैसला

कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायाधीश राजशेखर मंथा की डबल बेंच ने कहा कि, वर्ष 2010 के बाद जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं, वे कानून के मुताबिक नहीं बनाए गए हैं। इसलिए उन्हें रद्द कर किया जाना चाहिए। सरकार के इस निर्देश का उन लोगों पर कोई असर नहीं होगा जो पहले ही इस प्रमाणपत्र के जरिए नौकरी पा चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं। अन्य लोग अब इस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे। डबल बेंच ने आगे कहा कि इसके बाद राज्य विधानसभा को यह तय करना है कि ओबीसी कौन होगा। पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ओबीसी की सूची निर्धारित करेगा। इस सूची को राज्य विधानसभा को भेजना होगा। जिनके नाम विधानसभा द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे उन्हें भविष्य में ओबीसी माना जाएगा।

# अग्रसेन महाविद्यालय में कला केंद्र का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय में इस सत्र से अकादमिक कक्षाओं के साथ ही संगीत, नृत्य एवं ललित कलाओं के प्रशिक्षण के लिए अग्रसेन कला केंद्र प्रारंभ किया गया है। इस केंद्र में शास्त्रीय नृत्य के साथ ही लोक गायन तथा वादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस कला केंद्र की प्रभारी डॉ आकांक्षा दुबे ने बताया कि यहाँ विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षण के लिए अपूर्वा शर्मा (कत्थक), ऋ षिकेश जॉय (बांसुरी), राजेश शर्मा (ढोलक), स्नेहा पाण्डेय (लोक गायन एवं सुगम

संगीत) की सेवाएँ उपलब्ध हैं। साथ ही अमन सोनी द्वारा फाइन आर्ट्स का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इन अनुभवी कलाकारों के सान्निध्य में अभ्यर्थियों को विभिन कला और सगीत की बारीकियां सीखने को मिलेंगी। उन्होंने बताया कि केंद्र के प्रारंभ होते ही इन सभी विधाओं में बच्चे, युवा तथा महिलाएं बड़ी संख्या में प्रवेश लेकर इस केंद्र के संचालन का भरपूर लाभ ले रहे हैं। केंद्र के संचालन में प्राध्यापक प्रो. ऋतुलता तारक एवं प्रो नीलू अग्रवाल सहयोगी के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इन कक्षाओं के विषय में महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वी.के. अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन महाविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों के अलावा अन्य सांस्कृतिक नवाचारों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसी कड़ी में यह केंद्र स्थापित किया गया है। समिति के सचिव तथा महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस कला केंद्र के माध्यम से प्रतिभागियों में छिपी प्रतिभा को आकार देना ही इसका मुख्य प्रयोजन है। प्राचार्य डॉ. युलेंद्र कुमार राजपूत ने कहा कि महाविद्यालय ने अध्ययन- अध्यापन के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रचनात्मक गतिविधियों से अपनी विशेष पहचान कायम की है। इसी पहल के तहत अग्रसेन कला केंद्र आरंभ किया गया है, जिसे लगातार अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

# सामूहिक प्रयासों से बदली पौड़ीबाहर तालाब की दशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** सरोवर धरोहर के अंतर्गत सरकारी योजना से पिछले वर्षों में कोरबा के कई बड़े तालाबों की स्थिति को बेहतर करने का काम किया गया लेकिन कई तालाब अपने हाल पर छोड़ दिए गए हैं। ऐसे तालाबों के सहारे आसपास की बड़ी आबादी के कई काम होते हैं। इन्हीं सब कारण से पौड़ीबाहर के सार्वजनिक तालाब को ठीक-ठाक करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने कोशिश की है। इसके नतीजे तालाब की दशा को सुधारने में काफी हद तक मदद मिली है।

पौड़ीबाहर क्षेत्र में मुक्तिधाम के सामने यह तालाब स्थित है जिसका उपयोग अलग-अलग कार्यों के लिए विभिन्न क्षेत्रों की हजारों की आबादी लंबे समय से करती आ रही हैं। विशाल क्षेत्रफल में पहले तालाब के सामने कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। नियमित रूप से साफ सफाई न होने के कारण यहां पर समस्याओं का फैलाव होना जारी है। जलकुंभियों के साथ-साथ आसपास का कचरा तालाब की बदहाली का सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है जिसके चलते निस्तार में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। इस तरफ अच्छे काम करने का संकल्प लिया गया और उन्होंने श्रमदान भी किया।

# सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला मनरेगा से काम दिलाने में राज्य में प्रथम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**सारंगढ़ बिलाईगढ़।** कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देशन और परियोजना निदेशक पंचायत हरिशंकर चौहान के नेतृत्व में जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से मनरेगा कार्य में जिले ने छत्तीसगढ़ में टॉप किया है। राज्य शासन ने सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले को मनरेगा कार्य में 9 लाख 76 हजार 476 कार्य दिवस का लक्ष्य दिया था जिसके विरुद्ध जिले ने 14 लाख 5 हजार 926 कार्य दिवस अर्जित कर यह कीर्तिमान स्थापित किया है।

वर्तमान में पलायन को रोकते हुए स्थानीय स्तर पर मनरेगा मजदूर के रूप में स्थानीय नागरिकों को रोजगार का अवसर प्रदान हुआ है। लगभग 50 हजार ग्रामीणों का पलायन इस वजह से रुका है, जिनका उपयोग स्थानीय स्तर पर राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को पूर्ण करने में लगे हुए हैं। प्रतिशत में देखा जाए तो 144

प्रतिशत पर सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला प्रथम स्थान पर है। इसी प्रकार रायपुर और जिला दुर्ग जिला 115 प्रतिशत पर क्रमश द्वितीय और तृतीय स्थान पर है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अपने मातृ जिला बलोदाबाजार भाटापारा को 107 प्रतिशत पर और रायगढ़ को 75 प्रतिशत पर पीछे छोड़ दिया है।

# छत्तीसगढ़ में 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर ।** पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में भी शुरू हो चुकी है। आचार संहिता के चलते अभी लोगों के पंजीयन तो कराए जा रहे हैं मगर सोलर प्लांट के कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं। चार जून के बाद आम लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा। इससे प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिल सकेगा। वह बचने वाली बिजली बेच भी सकेंगे। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर छत्तीसगढ़ के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और कम समय में ही 3,363 घरों ने अपना पंजीकरण करवा लिया है।

इनमें 1,941 आवेदन स्वीकार भी कर लिए गए हैं। 1,422 आवेदन चारणीय नहीं किए गए हैं । इस योजना के तहत कुल स्थापित रूफटाप सौर संयंत्रों की संख्या 36 है। इस योजना के तहत प्रदेश में एक लाख से अधिक सोलर प्लांट लगाने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ में आरईसी लिमिटेड को नोडल अधिकारी बनाया गया है। आम घरेलू उपभोक्ता अपने स्वीकृत भार तक की क्षमता के रूफटाप सोलर प्लांट स्थापित कर

सकते हैं। आरटीएस कार्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा जिलेवार नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।

पीएम सूर्यघर योजना के तहत हर परिवार को दो किलोवाट के सोलर प्लांट के खर्च राशि में से 60 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में अकाउंट में आएगा। इसी तरह तीन किलोवाट के सोलर प्लांट के लिए अतिरिक्त एक किलोवाट के प्लांट पर 40 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर आप तीन किलोवाट का प्लांट लगाएंगे तो लगभग 1.45 लाख रुपये की लागत आएगी। उसमें से 78 हजार रुपये की सब्सिडी सरकार देगी। बचे हुए 67,000 रुपए के लिए सस्ते बैंक लोन की व्यवस्था सरकार ने की है। बैंक रेपो रेट से केवल 0.5 प्रतिशत ज्यादा ही ब्याज वसूल सकेंगे।

घरेलू परिवारों के लिए लागू सब्सिडी: एक किलोवाट क्षमता के लिए 30,000 रुपये, दो किलोवाट क्षमता के लिए 60,000 रुपये और तीन किलोवाट और अधिक की क्षमता के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। केंद्र सरकार ने पीएम सूर्यघर योजना के लिए नेशनल पोर्टल लांच किया है। इसमें आपको अपने बिजली कनेक्शन का कंज्यूमर नंबर, नाम, पता, राज्य और कितनी क्षमता का प्लांट लगाना है जैसी जानकारियां भर सकते हैं। उसी के अनुसार आपके यहां सोलर प्लांट लगेगा और उसी के अनुरूप आपको सब्सिडी मिल पाएगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना 13 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लांच किया था। इसके तहत देश में एक करोड़ घरों में छत पर सौर संयंत्र स्थापित करना है। लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान किया जाना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 फरवरी 2024 को 75,021 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएम-सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी थी।

# मैक सॉलिटेयर में महिलाओं ने सिखा योग और मेकअप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक) में महिलाओं की विकास के लिए मैक सॉलिटेयर की निःशुल्क प्रशिक्षण कक्षाएं जिसमें महिलाओं एवं युवतियों के लिए इस वर्ष एक बैच में 1 मई से 30 मई तक शाम 4 से 5.30 तक प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की गई है। मैक सॉलिटेयर के सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के चेयरमैन राजेश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. एम.एस.मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा हैं।

मैक में आयोजित सॉलिटेयर प्रशिक्षण का लाभ उठा रही महिला प्रतिभागीयों को बीते दिनों प्रशिक्षक के रूप में कीर्ति साहू ने योग सेशन लिया जिसमें उन्होंने बताया योग करने से न केवल मनुष्य स्वस्थ रह

सकता है बल्कि उसे हर प्रकार के तनाव से भी मुक्ति मिलती है योग सांसो और मन पर नियंत्रण पाने की क्रिया है योग से सम्पूर्ण जीवन प्रभावित होता है और जीवन चक्र बेहतर चलता है। उन्होंने योग के आठ अंग के बारे में बताया जिसमें:- यम (संयम), नियम (पालन), आसन (योगमुद्रांए), प्रणायाम (सांस का नियंत्रण), प्रत्याहार (इंद्रियो का वापस लेना), धारणा (एकाग्रता), ध्यान (ध्यान), और समाधि (अवशोषण)। एवं प्रशिक्षक के रूप में अनुश्री टुटेजा ने मैक सॉलिटेय की महिला प्रतिभागीयों को मेकअप के बारे में प्रशिक्षित किया जिसमें उन्होंने प्रतिभागियों को विशेष जानकारी दी की मेकअप किट में प्राइमर, कंसीलर, फाउंडेशन, लूज पाउडर, आईब्रो पेंसिल, आईशैडो, आईलाइनर, मस्कारा, काजल, ब्लश, हाइलाइटर, लिप पेंसिल और लिपस्टिक जरूर होनी चाहिए। एवं रूटीन मेकअप व ऑफिस मेकअप के बारे में बताया।

जिसमें सुबह उठते ही केमिकल फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें चुनाव अपनी स्किन टाइप के हिसाब से करें - टोनिंग, क्लींजिंग, मॉइसचराइजर को अपने रूटीन में शामिल करें। इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कक्षाएं मैक सॉलिटेयर जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास को सर्वोपरि माना जाता है जिसमें किसी भी पृष्ठभूमि की कोई भी महिला इस प्रशिक्षण का लाभ उठा सकती है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### दीक्षांत समारोहः 509 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी राष्ट्रपति

**रायपुर (ए.)।** राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल और उषा जिंदल ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया। इस बार दीक्षांत समारोह में 509 चिकित्सा छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएंगी। एम्स प्रबंधन का कहना है कि दीक्षांत समारोह की तिथि तय नहीं हुई है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में उम्मीद है। लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने बताया कि एम्स के लिए यह गौरव का क्षण है कि समारोह के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने राष्ट्रपति से दीक्षांत समारोह में मुख्य अभिभाषण के साथ स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित करने के लिए भी अनुरोध किया है। अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस बार दीक्षांत समारोह में एमबीबीएस के 203 छात्रों (2017 और 2018 बैच), बीएससी (नर्सिंग) की 116 छात्राओं (2018 और 2019 बैच), एमडी,एमएस,एमडीएस के 143 और डीएम व एमसीएच की 14 डिग्री प्रदान की जाएंगी।

### आम सभा को लेकर योगेश अग्रवाल ने उठाए सवाल

**रायपुर (ए.)।** 27 अप्रैल 2024 को चेंबर ऑफ कामर्स के संविधान में संशोधन करने बुलाई गई आमसभा को नियम विरूद्ध बताते हुए छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के भूतपूर्व चेयरमैन योगेश अग्रवाल इसकी वैधानिकता को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने एक जारी बयान में कहा है कि मुख्य बिंदु यह थी की अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष का चुनाव कितनी बार भी लड़ा जा सकता है इतने बड़े संशोधन का संविधान पास कर दिया गया और वो भी मुट्ठी भर लोगों को बुला कर जहां 200 लोग की बैठने की व्यस्था नहीं है, वहां 25000 व्यापारियों को गुमराह किया गया है। मैं पिछले 30 सालों से चैंबर की अनेकों पद पर कार्य कर चुका हूं एवं 3 वर्ष पूर्व मेरे द्वारा अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ा गया था वर्तमान कार्यकारिणी ने जो आमसभा बुलाए उसका मुझे पत्र नहीं मिला है। यहां तक की मेरे साथियों (एकता पेनल) के पूरे प्रदेश में निर्वाचित उपाध्यक्ष और मंत्री को 3 साल किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई। उन्हें चेंबर के किसी भी कार्यक्रम में नहीं बुलाया, बल्कि उन्हे नीचा दिखाने के लिए अध्यक्ष ने अपने पेनल नई बॉडी बना दी। आज वर्तमान अध्यक्ष एकता पेनल के पदाधिकारी के पास जाकर उसे पत्र की स्वीकृति मांग रहे हैं यह एक प्रकार का फर्जीवाड़ा कर रहे हैं। चेंबर 60 साल के इतिहास में ये पहली बार लोकतंत्र की हत्या की गई है, इस आम सभा का विरोध करता हूं।

समस्या के लिए ज्ञापन तैयार कर परिवहन आयुक्त से एक प्रतिनिधि मंडल के मिलने का निर्णय

# छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के अध्यक्ष चुने गए सैय्यद अनवर अली

**रायपुर (ए.)।** सैय्यद अनवर अली छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के अध्यक्ष चुने गए हैं। छत्तीसगढ़ के जिला यातायात महासंघ के संरक्षक प्रमोद दुबे, विधि सलाहकार शिवेश सिंह तथा समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को राजधानी में बैठक हुआ। बैठक में सिटी बस संचालन, धमतरी मार्ग पर प्रारम्भ हो रहे नये टोल गेट तथा समस्त सिटी बसों की स्वीकृति रायपुर से जारी होने के सम्बन्ध में एवं समस्त जिलों में बस स्टैंड में एजेंटो एवं हाकरो के सम्बन्ध में तथा आल इंडिया परमिट वाली बसों जो की स्टेज कैरिज के बस स्टैंड के चलती है के सम्बन्ध में चर्चा की गई। इन समस्या के लिए ज्ञापन तैयार कर परिवहन आयुक्त से एक प्रतिनिधि मंडल के मिलने का का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में आगामी तीन वर्षो हेतु नई कार्यकारिणी का चुनाव कर गठन किया गया। अध्यक्ष पद हेतु सैय्यद अनवर अली के नाम का प्रस्ताव संरक्षक प्रमोद दुबे के द्वारा एवं विधि सलाहकार शिवेश सिंह के द्वारा रखा गया जिसका समर्थन चम्पालाल साहू, शिवरतन गुप्ता, सोनू कसार, जिला अध्यक्ष जगदलपुर गणेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष बिलासपुर श्याम लाल दुबे, जिला अध्यक्ष पेंड्रा भरत सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष कोरबा मुकेश जायसवाल, जिला अध्यक्ष धमतरी महावीर प्रसाद गुप्ता, जिला अध्यक्ष बेमेतरा रामगोपाल साहू, जिला अध्यक्ष गरियाबंद अरशद चांगल, जिला अध्यक्ष कांकेर राजकुमार खटवानी, जिला अध्यक्ष नारायणपुर, जिला अध्यक्ष करण बंजारे, जिला अध्यक्ष राजनांदगाव रईस अहमद, जिला अध्यक्ष महासमुंद राकेश चंद्राकर, जिला अध्यक्ष बैकुंठपुर शोएब अख्तर,जिला अध्यक्ष दुर्ग अमरजीत सिँह चहल, धन्नू भाई, लोकेश्वर सिँह राजपूत, सुमित ताम्रकार, सिकंदर सिंह शेखो, अनूप यादव, जिला अध्यक्ष बलौदाबाजार जितेन्द्र ठाकुर, मानक ठाकुर, अश्वनी दडसेना, मयंक दुबे, रमेश शर्मा, मोहन कसार, शकुर मोहम्मद ने किया।

उक्त पद पर कोई अन्य प्रत्याशी के चुनाव में खड़े न होने के कारण सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने हाथ खड़े कर पूर्ण सहमति देकर बैठक में उपस्तिथ समस्त पदाधिकारीगण एवं बस संचालक, 120 सदस्यो ने सैयद अनवर अली को आगामी तीन वर्षो हेतु अध्यक्ष निर्विरोध घोषित किया। सैयद अनवर अली ने प्रदेश उपाध्यक्ष हेतु प्रफुल्ल तिवारी का नाम प्रस्तावित किया जिसे सभी ने सहमति दी। संघ के संरक्षक प्रमोद दुबे ने बाकि अन्य कार्यकारिणी के निर्वाचन के लिए सैयद अनवर अली को अधिकृत करने का प्रस्ताव दिया जिसे सभा में उपस्तिथ सभी सदस्यों ने सहमति दी।

# छत्तीसगढ़-ओडिशा परिवहन संघों के बीच गहराने लगा विवाद

## कुछ मार्गों पर परमिट के साथ दोनों ओर से बसें चलाने का अनुबंध

**रायपुर (ए.)।** छत्तीसगढ़ और ओडिशा के यातायात संघों में दोनों राज्यों में बसें चलाने को लेकर विवाद गहराने लगा है। यातायात महासंघ ने छत्तीसगढ़ के एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर डी रविशंकर से शिकायत की है कि हम ओडिशा वालों की बसें छत्तीसगढ़ में चलने दे रहे हैं, लेकिन ओडिशा वाले हमारी बसों को वहां रोककर लौटा रहे हैं।

यातायात महासंघ के अध्यक्ष अनवर अली ने चेतावनी दी है कि अगर ओडिशा की यूनियनों ने छत्तीसगढ़ से जाने वाली बसों को इसी तरह रोका, तो जल्दी ही यहां भी ओडिशा से आने वाली बसें बार्डर पर रोककर लौटा दी जाएंगी। इससे छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बस संपर्क खत्म हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। इस बारे में डी. रविशंकर ने बताया कि यातायात महासंघ की शिकायत पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एस प्रकाश संज्ञान ले रहे हैं। ओडिशा ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को वे इस समस्या से अवगत करवाएंगे, ताकि इस समस्या का हल निकाला जा सके।

सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों के बीच कुछ मार्गों पर परमिट के साथ दोनों ओर से बसें चलाने का अनुबंध है। इसी के तहत यहां और ओडिशा के बस आपरेटरों को उन मार्गों पर बसों के लिए परमिट जारी किया गया है और बसें चल रही हैं। लेकिन पिछले कुछ दिन से दोनों ओर से बस आपरेटरों में विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल यहां के आपरेटरों की जो भी बसें जा रही हैं, ओडिशा ट्रांसपोर्ट यूनियन उन्हें रास्ते में रोककर लौटा रहा है। ऐसी कुछ घटनाओं से छत्तीसगढ़ के बस आपरेटर भी आक्रोशित हैं। बुधवार को यातायात महासंघ की बैठक में यह मुद्दा उठा था। बस मालिकों ने तय कर लिया है कि अगर उनकी बसें ओडिशा में नहीं चलने दी गईं, तो वे भी छत्तीसगढ़ में ओडिशा से आने वाली बसों को घुसने नहीं देंगे।

### ट्रांसपोर्ट विभाग ने महासंघ की शिकायतों को गंभीरता से लिया

इस बारे में यातायात महासंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनवर अली के अलावा संरक्षक प्रमोद दुबे, विधि सलाहकार शिवेश सिंह के साथ कई प्रमुख बस आपरेटरों ने बुधवार को ही एडिशनल ट्रांसपोर्ट कमिश्नर डी रविशंकर से मुलाकात की। रविशंकर ने यातायात महासंघ को आश्वस्त किया है कि ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एस प्रकाश स्वयं इस मुद्दे को संज्ञान में लेंगे और ओडिशा के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से बातचीत कर रास्ता निकालेंगे। इसके बाद वे ट्रांसपोर्टर कमिश्नर एस प्रकाश के भी मिलने पहुंचे। वे मीटिंग में थे, इसलिए उन्हीं के कहने पर विभाग के प्रमुख अधिकारी को ज्ञापन दिया। हालांकि सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़ का ट्रांसपोर्ट विभाग भी ओडिशा की यूनियनों को लेकर आ रही इन शिकायतों से नाराज है, और इसे गंभीरता से लिया जा रहा है।

प्रदेशवासियों के सुखी व समृद्ध जीवन की कामना की

# लाखों घर में हुआ गृहे-गृहे यज्ञ

**रायपुर (ए.)।** अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुख डॉक्टर प्रणव पण्ड्या के आह्वान एवं मार्गदर्शन में सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय का संकल्प के साथ वैश्विक शांति, पर्यावरण संवर्धन एवं संरक्षण, वातावरण का परिशोधन, समर्थ राष्ट्र निर्माण, वैचारिक उत्कृष्टता, समाज में छाई हुई विकृतियों को नष्ट तथा सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन के लिये तथा भारत को समर्थ, शक्तिशाली व पुनः विश्व गुरु बनाने के उद्देश्य व संकल्प के साथ बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश के 24 लाख घरों एवं विदेश के अनेक घरों में एक साथ गायत्री परिजनों के द्वारा यज्ञ किया गया।

गायत्री परिवार छत्तीसगढ़ की जोन समन्वयक श्रीमती आदर्श वर्मा एवं जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद ने बताया कि उपरोक्त संकल्पों की पूर्ति हेतु सामूहिक स्तर पर यह प्रयास गायत्री परिवार द्वारा विगत 8 वर्षों से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह कार्यक्रम 23 से 26 मई तक आयोजित किया गया है। प्रदेश के 02 लाख घरों/ प्रतिष्ठानों/ सामाजिक संस्थानों/मंदिरों में यज्ञ कराने का संकल्प लिया गया है। रायपुर जिले में 11 हजार से अधिक स्थानों में यज्ञ सम्पन्न हुआ। यज्ञ में विशेष रुप से वेदमंत्र गायत्री, महामृत्युंजय मंत्र एवं सूर्य मंत्र की आहुतियां प्रदान की गयी।

गायत्री परिवार रायपुर के मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम व अमित डोये ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी इस आयोजन में अपनी भागीदारी निभाते हुए मंख्यमंत्री निवास में यज्ञ संम्पन्न करवाया। वे सपरिवार यज्ञ में सम्मिलित होकर वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां समर्पित करते हुए प्रदेशवासियों के सुखी व समृद्ध जीवन की कामना की। अनेक जनप्रतिनिधियों के निवास स्थान के साथ-साथ रायपुर स्थित विभिन्न प्रकार के समाजसेवी संगठनों व मंदिरों जिसमें प्रमुख रुप से साध्वी विभामुनि संस्थापिका श्रीधाम आध्यात्मिक सेवा संस्थान गीतांजली नगर, जागृति मण्डल (आर.एस.एस.) पंडरी, विश्व हिन्दू परिषद् पंडरी, बोरियाखुर्द श्रीराम मंदिर समिति व शिव मंदिर समिति, जगन्नाथ मंदिर अवंती विहार, राम मंदिर तेलीबांधा, महामाया मंदिर, काली मंदिर आकाशवाणी चौक, एवं अनेक मंदिरों में यज्ञ संपन्न हुआ। यह आयोजन 26 मई तक चलेगा। श्रद्धालुजन अपने निवास में यज्ञ करवाने हेतु अपने नजदीकी गायत्री शक्ति पीठ/प्रज्ञापीठ/प्रज्ञा मण्डल/युवा मण्डल/महिला मण्डल से संपर्क कर सकते हैं।

# एक दिवसीय करियर काउंसलिंग 25 को

**रायपुर (ए.)।** आचार्य विद्यासागर महाराज के उपकारों का स्मरण करते हुए वर्तमान आचार्य समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से युवाओं में जीवनोपयोगी संस्कारों का बीजारोपण करने एवं कैरियर संबंधी संभावनाओं को उजागर करने दिगंबर जैन समाज पंचायत सेवा समिति के तत्वावधान में इस एक दिवसीय निःशुल्क शिविर का आयोजन 25 मई को रात्रि 7 बजे से 10बजे तक सिविल लाइन्स स्थित वृंदावन हॉल में होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष मनीष जैन ने बताया की यह शिविर आरंभ जैन यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग अभी तक का सब से बड़ा एक दिवसीय ग्रीष्म कालीन शिविर है। जो कि ब्रह्मचारी सुनील भईया (डीजीएम बीएसएनएल) के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग विशेषज्ञ विजय चोपड़ा शिक्षाविद एवं मोटिवेशनल स्पीकर, डायरेक्टर वर्धमान इंगलिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, फाउंडर एंड चीफ एडवाइजर, छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

धर्म के विषय में आज बच्चों के मन मे संशय की स्थिति बनी रहती है, जिसका समाधान प्रायः माता-पिता के पास भी नहीं होता। ऐसी समस्या के समाधान एवं जीवनोपयोगी संस्कारों का उत्कृष्ट रूप से सुदृढ़ आरोपण करना इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही लौकिक शिक्षा का महत्व एवं उसमें सफलता के आधार बिंदु, लौकिक तकनीकी शिक्षा के आधार पर कार्य क्षेत्र एवं भविष्य निर्माण की संभावनाएं तलाशना, जैन धर्म के प्रति रुचि जागृत करने हेतु उपयोगी जानकारियां प्रदान करना भी इस शिविर का उद्देश्य है। इस शिविर में भाग लेने हेतु आयु सीमा 13 वर्ष से 23 वर्ष रखी गई है। शिविर में भाग लेने हेतु इंटरनेट गूगल के माध्यम से फॉर्म भरकर अपना निःशुल्क रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाएं। शिविर में बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी आमंत्रित हैं। इस एक दिवसीय शिविर में मुख्य अतिथि सुनील कुमार जैन अजमेरा (आई.ए.एस.) विशेष सचिव ऊर्जा विभाग,खनिज विभाग प्रबंध संचालक एवं जल जीवन प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ शासन, विशिष्ट अतिथि अनिल जैन पूर्व सदस्य, अल्पसंख्यक आयोग, छत्तीसगढ़ उपाथित रहेंगे।

सफाई ठेकेदार का ठेका तत्काल निरस्त दिए निर्देश, गंदगी फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

# लचर सफाई व्यवस्था पर नाराज आयुक्त ने लगाई फटकार

**रायपुर (ए.)।** नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा द्वारा नगर निगम रायपुर क्षेत्र के वर्षा पूर्व नालों, नालियों की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण तरूण बाजार नाले की सफाई की लचर स्थिति को देखकर गहन नाराजगी व्यक्त की। यहां ठेका सफाई कर्मचारियों की निर्धारित 35 की संख्या के स्थान पर 17 सफाई ठेका कर्मी उपस्थित मिले। यहां उल्लेखनीय है कि विगत 21 मई को भी वहां निर्धारित 35 के स्थान पर मात्र 22 ठेका सफाई कर्मचारी कार्य पर उपस्थित मिले थे। निरंतर लापरवाही सफाई व्यवस्था को लेकर किये जाने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने जोन 6 जोन कमिश्नर को तत्काल वार्ड 60 के अनुबंधित सफाई ठेकेदार ओमप्रकाश धनगर का ठेका निरस्त करने की कार्यवाही करने के आदेश दिये है।

आयुक्त ने नालो के बीच एवं नालो के किनारे स्थित ठेलो एवं अवैध दुकानों को हटाने के लिये नगर निवेश विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अमले को सप्ताह में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को अभियान चलाने एवं नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही के नेतृत्व में गंदगी फैलाने वालो पर लगातार जुर्माना किये जाने की कार्यवाही सफाई व्यवस्था का सुदृढ संचालन करने की दृष्टि से किये जाने निर्देश दिये है।

आयुक्त ने लचर सफाई व्यवस्था को लेकर स्वच्छता निरीक्षक श्री अजय शर्मा एवं सफाई सुपरवाईजर दिनेश नायक को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने नगर निगम जोन 10 के तहत केनाल लिंकिंग रोड नाले में तत्काल सफाई करवाने के निर्देश दिये है। आयुक्त के आदेशानुसार अपर आयुक्त द्वारा डस्टबीन न रखने वाले एवं गदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर जुर्माना की कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। केनाल लिंकिंग रोड नाला के समीप घनश्याम किराना दुकान पर 200 रूपये एवं जिया किराना स्टोर पर 200 रूपये की चालानी कार्यवाही व्यवस्था सुधार की दृष्टि से की गई है। वहीं केनाल लिंकिंग रोड नाला के पास शानू देशी नास्ता दुकान पर 500 रूपये का जुर्माना करते हुए भविष्य के लिये गंदगी फैलाये जाने की स्थिति में कडी कार्यवाही करने की चेतावनी नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई है।

# पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग में सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना

**रायपुर (ए.)।** पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग, राज्य का तीसरा प्रमुख राजस्व अर्जक विभाग है। विभाग के राजस्व योगदान को बढ़ाने, तथा किसी भी संभावित राजस्व अपवंचन को रोकने के लिए विभागीय मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक कार्यालय में एक सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है।

वर्तमान में पंजीयन एवं मुद्रांक संबंधित प्रकरणों में कर निर्धारण अधिकारी द्वारा त्रुटि पूर्ण निर्धारण होने पर उसकी पहचान तथा रिएसेसमेंट (पुनर्मूल्यांकन) की कोई सार्थक व्यवस्था नहीं थी। सतर्कता प्रकोष्ठ बड़े मूल्य की रजिस्ट्री की जांच एवं परीक्षण कर उसमें किसी भी संभावित कर अपवंचन का पता लगाएगा। विजिलेंस प्रकोष्ठ द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों, कारखानों के अधिग्रहण, समामेलन तथा स्वामित्व अंतरण के प्रकरणों में निर्धारित बाजार मूल्य एवं स्टांप शुल्क की जांच सतत रूप से की जाएगी। उप पंजीयक कार्यालय में 5 करोड़ से अधिक कीमत की रजिस्ट्री की संवीक्षा भी सतर्कता प्रकोष्ठ करेगा।

सतर्कता प्रकोष्ठ अपने कार्यों के निष्पादन के लिए दूसरे विभागों से सहायता प्राप्त कर सकेगा, मौके पर जाकर स्थल निरीक्षण भी कर सकेगा। अत्याधुनिक तकनीक से डाटा एनालिसिस के द्वारा सतर्कता प्रकोष्ठ को इनपुट उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष डेटा विश्लेषण टीम की स्थापना सतर्कता प्रकोष्ठ के अन्तर्गत की जाएगी। यह टीम पंजीयन दस्तावेज़ों से प्राप्त डेटा पर विश्लेषण कर संभावित कर अपवंचन (टैक्स चोरी) के प्रकरणों की जानकारी सतर्कता प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराएगी। देश के दूसरे राज्यों तथा दूसरे कराधान विभागों में कर प्रणाली में समय-समय पर होने वाले परिवर्तन का अध्ययन एवं समायोजन भी सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा किया जाएगा। सतर्कता प्रकोष्ठ की स्थापना से कर अपवंचन में प्रभावी रोकथाम तथा राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी।

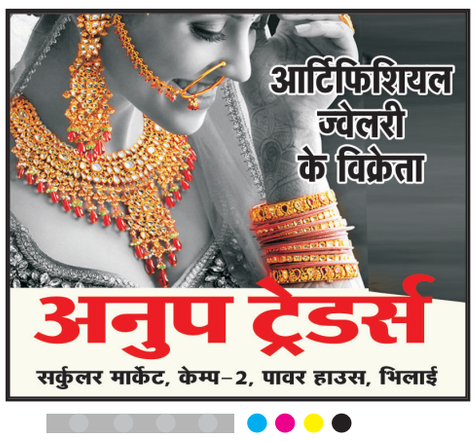

# मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले IPL 2024 में एंकर के रूप में अपनी की शुरुआत

*मराठी अभिनेत्री हेमल इंगले ने आईपीएल 2024 में एक एंकर के रूप में शानदार शुरुआत की और अपने आकर्षण और उत्साह से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले ही मैच से, हेमल इंगले के आकर्षक व्यक्तित्व और क्रिकेट के गहन ज्ञान ने आईपीएल प्रशंसकों का दिल जीत लिया, जिससे वह एक घरेलू नाम बन गई।*

हेमल की धाराप्रवाह मराठी एंकरिंग ने आईपीएल प्रसारण में एक क्षेत्रीय स्पर्श लाया, मराठी भाषी दर्शकों को प्रसन्न किया और कमेंट्री में विविधता जोड़ी। हेमल इंगले के विशेष पर्दे के पीछे के खंडों ने प्रशंसकों को टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिकता के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे देखने का अनुभव बढ़ गया।

हेमल के बेदाग फैशन सेंस ने आईपीएल सीजन के दौरान नए ट्रेंड सेट किए। उनके स्टाइलिश आउटफिट दर्शकों और फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गए। हेमल ने शीर्ष आईपीएल खिलाड़ियों और मशहूर हस्तियों के साथ आकर्षक साक्षात्कार आयोजित किए, व्यक्तिगत कहानियाँ और हास्य उपाख्यान निकाले जो दर्शकों को पसंद आए।

इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हेमल की उपस्थिति आसमान छू रही है, प्रशंसक उनके अपडेट और आईपीएल के पर्दे के पीछे की झलकियों को उत्सुकता से देख रहे हैं। अपने एंकरिंग आकर्षण के अलावा, हेमल ने खेल के प्रति अपनी विशेषज्ञता और जुनून का प्रदर्शन करते हुए अपने गहन क्रिकेट विश्लेषण से दर्शकों को प्रभावित किया। हेमल इंगले के इंटरैक्टिव सत्रों और प्रशंसकों की व्यस्तताओं ने क्रिकेट प्रेमियों का एक मजबूत समुदाय बनाने में मदद की, जिससे उनके अनुयायियों के बीच अपनेपन की भावना को बढ़ावा मिला।

आईपीएल एंकर के रूप में हेमल के सफल कार्यकाल ने एक नया मानदंड स्थापित किया है, जिससे साबित होता है कि वह न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, बल्कि खेल प्रसारण में भी उनकी शानदार उपस्थिति है।

# पुष्पा 2 के दूसरे गाने का टीजर पोस्टर जारी, इस बार सामी के साथ श्रीवल्ली करेंगी धमाल

**अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के दूसरे पार्ट का दर्शकों के बीच गजब का उत्साह है। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। इस फिल्म का पहला गाना पुष्पा पुष्पा रिलीज हो चुका है। गाने ने खूब धमाल मचाया और अल्लू अर्जुन के डांस स्टेप भी खूब वायरल हुए। लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर रील्स बनाईं। मेकर्स अब दर्शकों को दूसरे गाने का तोहफा देने जा रहे हैं।**

पुष्पा 2 के दूसरे गाने का टीजर पोस्टर जारी किया गया है। इसकी एनाउंसमेंट वीडियो कल जारी की जाएगी। मेकर्स ने पोस्ट साझा कर समय भी बताया है। पहले गाने में जहां अल्लू अर्जुन का धमाल देखने को मिला। इस बार दूसरे गाने में श्रीवल्ली यानि रश्मिका मंदाना और सामी यानि अल्लू अर्जुन दोनों गजब ढाएंगे।

पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने को लेकर जानकारी साझा की हैं। फिल्म के मेकर्स ने आज 22 मई को एक टीजर पोस्टर जारी किया है, जो काफी दिलचस्प है। इस पोस्टर के साथ बताया है कि फिल्म का दूसरा गाना कब रिलीज होगा। पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाना का एलान आज 23 मई को सुबह 11 बजे होगा।

सामने आए टीजर पोस्टर में रश्मिका मंदाना का हाथ डांस की मुद्रा में दिख रहा है। इस गाने को को भी देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है। बता दें कि फिल्म पुष्पा 2 15 अगस्त 2024 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म में एक बार फिर एक्शन और फुल ड्रामा देखने को मिलेगा।

# फिल्म मल्हार का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

मराठी अभिनेत्री अंजलि पाटिल अपनी आगामी फिल्म मल्हार को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म अनोखी दोस्ती, निःस्वार्थ प्रेम और अटूट रिश्तों की कहानी है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसमें अंजलि के अलावा शारिब हाशमी, ऋषि सक्सेना, श्रीनिवास पोखले, विनायक पोटदार, मोहम्मद समद और अक्षता अचार्य भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

यह फिल्म 31 मई 2024 को सिनेमाघरों में हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन विशाल कुंभर ने किया है, वहीं निर्माण प्रफुल्ल पासड द्वारा किया गया है। फिल्म को वी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

निर्माता प्रफुल पसाड की फिल्म मल्हार का पोस्टर लॉन्च मुम्बई के रेड बल्ब स्टूडियो में किया गया जहाँ प्रोड्यूसर डायरेक्टर और सभी ऐक्टर्स के साथ फिल्म से जुड़ी पूरी टीम उपस्थित थी। पोस्टर में अंजली पाटिल का लुक एकदम अलग दिख रहा है जो उनके अनोखे किरदार की झलक प्रस्तुत कर रहा है वहीं शारिब हाशमी भी घनी मूंछों में प्रभावित कर रहे हैं।

निर्माता प्रफुल्ल पसाड का कहना है कि मल्हार गांव कच्छ में घटित हो रही तीन स्टोरीज का अद्भुत संगम है। हमने फिल्म को रोचक अंदाज में पिरोया है ताकि दर्शकों के लिए पूरा मनोरंजन मिले। यह फिल्म दो सबसे अच्छे दोस्तों की कहानी कहती है। सुनने के यंत्र की मरम्मत के लिए उनके संघर्ष के इर्द-गिर्द यह स्टोरी घूमती है।

चक्रव्यूह और न्यूटन सहित कई हिंदी, मराठी और साउथ फिल्मों में अपनी अदाकारी के जौहर दिखा चुकी अभिनेत्री अंजली पाटिल भी मल्हार की इंगेजिंग कहानी को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह कहती हैं कि फिल्म की तीन कहानियों में से एक कहानी केसर की है जिसकी शादी लक्ष्मण से हाल ही में हुई है जो उस गांव के सरपंच का बेटा है। शादी के कुछ दिनों बाद भी वह गर्भवती नहीं हो रही है इसलिए उसके ससुराल वाले उसे लगातार कोस रहे हैं और वह इससे कैसे बाहर निकलती है।

अभिनेता शारिब हाशमी मल्हार का हिस्सा बनकर खुश हैं। वह कहते हैं कि फिल्म की 3 स्टोरीज में से एक स्टोरी जावेद और उसकी बड़ी बहन जैस्मीन की है। जैस्मीन को हिंदू लड़के जतिन से प्यार हो जाता है। कहानी उनके मिलने और एक साथ रहने के संघर्ष को दिखाती है कैसे वे इस प्यार और इसके परिणाम का सामना करते हैं, कहानी इसी बारे में है।

फ़िल्म में श्रीनिवास पोकळे, शारिब हाशमी, अंजली पाटिल, ऋषि सक्सेना, मोहम्मद समद और अक्षता आचार्य ने अभिनय किया है फ़िल्म के निर्माता प्रफुल्ल पसाडऔर निर्देशक विशाल कुंभार द्वारा निर्देशित है। फिल्म के संवाद सिद्धार्थ साळवी, स्वप्नील सीताराम और पटकथा विशाल कुंभार, अपूर्वा पाटील ने लिखे हैं। छायांकन गणेश कांबळे का, संकलन अक्षय कुमार , संगीत टी. सतीश और सारंग कुलकर्णी ने दिया है। फ़िल्म हिन्दी और मराठी भाषा में एक साथ 31 मई को सिनेमागृहों में रिलीज़ होगी।

# ब्लश की जगह आप भी करती हैं लिपस्टिक का इस्तेमाल? तो जान लें नुकसान के बारे में

**अधिकतर लड़कियां चेहरे ब्लश की जगह लिपस्टिक का इस्तेमाल करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा करना चेहरे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है? आइए जानते हैं इसके नुकसान के बारे में। परफेक्ट मेकअप लुक के लिए क्या आपने कभी अपनी पसंदीदा गुलाबी लिपस्टिक अपने गालों और पलकों पर लगाई है? यह एक ऐसा हैक है जो हम सभी को पसंद है लेकिन स्किन केयर स्पेशेलिस्ट इससे दूर रहने की सलाह देते हैं। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि लिप प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए जाने वाले तत्व स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए जानते हैं लिपस्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में।**

मेकअप महंगा हो सकता है, और जब हम किसी ऐसी चीज में निवेश करते हैं जो हमारी जेब पर भारी पड़ सकती है, तो हम इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना चाहते हैं। सभी मेकअप लवर इस बात से सहमत होंगे कि हमें यह पसंद है, जब हमारे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स एक समय में एक से ज्यादा काम कर सकते हैं। ज्यादातर महिलाएं अपनी लिपस्टिक को ब्लश या आईशैडो के जगह इस्तेमाल करती हैं।

हालांकि यह बात भी सही है कि, इसका रिजल्ट हमेशा अच्छा होता है और यह पॉकेट-फ्रेंडली हैक इंस्टाग्राम पर भी बहुत पॉपुलर है, लेकिन, चेहरे के अन्य हिस्सों पर अपने होंठों के लिए बनी किसी चीज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।सभी लिपस्टिक ब्लश या आईशैडो के रूप में काम नहीं कर सकती हैं। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि आपको लिपस्टिक जैसे ब्लश से बचना चाहिए क्योंकि यह आपकी स्किन के लिए अच्छा नहीं है।

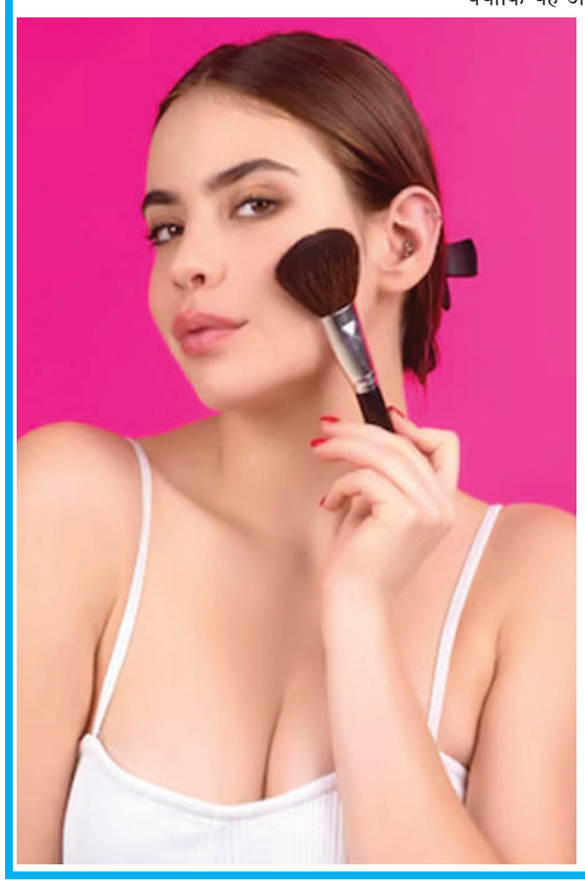

अधिकतर लड़कियां मेकअप के दौरान ब्लश की जगह लिपस्टिक का इस्तेमाल करती है। ब्लश की जगह लिपस्टिक का इस्तेमाल करने से आपको इसके कई साइड इफेक्ट हो सकते हैं। लिपस्टिक में मौजूद केमिकल आपके गालों और आंखों में जलन पैदा कर सकता है। कुछ लड़कियों को लिपस्टिक गाल पर लगाने से एलर्जी होने की संभावना बढ़ जाती है। लिपस्टिक को गाल पर लगाने से पोर्स बंद हो जाते हैं और ब्लैकआउट हो सकते हैं। अगर आप लिपस्टिक को ब्लश की तरह इस्तेमाल करते हैं, तो आपको कम उम्र में चेहरे पर झुर्रियां हो सकती है। लिप प्रोजक्ट्स में आम तौर पर मोम, तेल, रंग और इमोलिएंट्स होते हैं। सामग्रियों में मोम, कारनौबा मोम, अरंडी तेल और खनिज तेल जैसे विभिन्न तेल शामिल हैं। लिप प्रोडक्ट्स में पैराबेंस जैसे कंपाउंड भी शामिल हो सकते हैं, और अगर ये लिप प्लंपर है, तो इसमें मेन्थॉल या कैप्साइसिन भी शामिल हो सकते हैं। यह प्रोडक्ट सीधा अपने फेस पर लगाना हमारी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

# कटरीना कैफ लंदन में बच्चे को देने वाली हैं जन्म

दीपिका पादुकोण ने जब लोगों को अपने मां बनने की खुशखबरी जाहिर की है, तब से लगातार उन्हें लगातार ट्रोल्स का सामना करना पड़ रहा है। दीपिका के फैंस जहां इस खबर से बेहद खुश हैं। वहीं, एक वर्ग ऐसा भी है, जो उन्हें लगातार टारगेट कर रहा है। हाल ही में एक बार फिर उन्हें ट्रोल्स ने उन्हें निशाना तब बनाया, जब वह लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वोट डालने के लिए गुजरी थीं और उनका बेबी बंप दिखाई दिया था। दीपिका के इस समय को आलिया अच्छे से समझ सकती हैं। इसलिए उन्होंने मॉम टू बी दीपिका पादुकोण पर भद्दे कमेंट करने वाले ट्रोल्स पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

मां बनना कितना कठिन है, ये बात आलिया भट्ट से अच्छे से समझती हैं। आलिया को भी ट्रोल्स ने खूब खरीखोटी सुनाई थीं, इसलिए वह दीपिका पादुकोण की कंडीशन को समझ सकती हैं। दीपिका पादुकोण 20 मई को मुंबई लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में अपना वोट डालने के लिए निकली थीं। दीपिका एक ढीली-ढाली व्हाइट शर्ट और ब्लू जींस पहनी थीं। इस दौरान दीपिका का बेबी बंप साफतौर पर दिखाई दे रहा था। इसी के बाद वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं।

## बेबी बंप को बताया नकली

दीपिका का बेबी बंप देख नेटिजन्स के एक वर्ग ने ट्रोल करना शुरू कर दिया और उनके शरीर पर कुछ भद्दे कमेंट किए और यहां तक कि उनके बेबी बंप को 'नकली' तक कह दिया।

## 'ये सब बंद करें'

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की चल रही ट्रोलिंग के बीच, एक वरिष्ठ पत्रकार फेय डिसूजा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कड़े शब्दों में एक पोस्ट लिखा और दीपिका को लेकर अपना सपोर्ट दिखाया, जिस पर आलिया भट्ट ने भी रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'डियर सोशल मीडिया, दीपिका पादुकोण अपना लोकतांत्रिक कर्तव्य निभाने और वोट करने के लिए बाहर निकलीं। उसने अपने शरीर या अपनी गर्भावस्था के बारे में आपकी प्रतिक्रिया नहीं मांगी। आपको उसके जीवन के किसी भी पहलू पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। ये सब बंद करें।'

## आलिया, पूजा भट्ट से सोनी राजदान तक ने किया रिएक्ट

फेय डिसूजा के इसी पोस्ट पर आलिया भट्ट ने भी रिएक्ट किया है। आलिया ही नहीं उनकी बहनों पूजा भट्ट, शाहीन भट्ट और उनकी मां सोनी राजदान ने भी पोस्ट को लाइक करते हुए दीपिका को लेकर अपना सपोर्ट दिखाया है। इस पोस्ट पर और भी कई हस्तियों ने रिएक्शन दिया है। पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए एक्ट्रेस श्रुति सेठ ने लिखा- 'सौभाग्य से दीपिका पादुकोण दुनिया पर कब्जा करने में इतनी व्यस्त हैं कि उन्हें कोई परवाह नहीं है।' वहीं एक्ट्रेस टीना दत्ता ने लिखा- 'बिलकुल! लोग अपना संतुलन खो बैठे हैं।'

## आलिया की तारीफ

दीपिका के फैंस आलिया भट्ट के यूं पठान एक्ट्रेस को सपोर्ट करने से काफी खुश हैं। एक फैन ने लिखा, 'हां, यही समय है जब उन्हें समर्थन देने की जरूरत है! इस स्तर पर गिरना और हस्तक्षेप करना बहुत ही व्यक्तिगत है।

# प्रेग्नेंसी की अफवाहों के बीच कटरीना का फोटो वायरल

## खास खबर

### 16 साल की सौम्या ने किया एवरेस्ट फतह, अब अंटार्कटिका के विनसन मैसीफ पर निगाहें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सोलह साल की काम्या कार्तिकेयन माउंट एवरेस्ट के शिखर पर नेपाल की तरफ से पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बन गई हैं। नेवी चिल्ड्रन स्कूल, मुंबई की 12वीं कक्षा की छात्रा की इस उपलब्धि पर भारतीय नौसेना ने गुरुवार को उन्हें बधाई दी। काम्या ने अपने पिता और नौसेना अधिकारी कमांडर एस. कार्तिकेयन के साथ 20 मई को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत शिखर को फतह करने का कारनामा कर दिखाया था। नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, काम्या ने सात में से छह महादेशों के सबसे ऊंचे पर्वत शिखरों पर पहुंचने में अदम्य और सतत साहस का परिचय दिया है। भारतीय नौसेना सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर फतह हासिल कर ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बनने की उनकी महत्वाकांक्षा के लिए युवा काम्या को शुभकामनाएं देती है। काम्या का अगला लक्ष्य इस साल दिसंबर में अंटार्कटिका का माउंट विनसन मैसीफ को फतह करना है। यह मुकाम हासिल करते ही वह सभी सात महादेशों के सर्वोच्च शिखरों पर पहुंचने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बन जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2020 के 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था कि छोटी उम्र की काम्या कार्तिकेयन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। जनवरी 2021 में उन्होंने युवा पर्वतारोही (जो उस समय मात्र 13 साल की थी) से वर्चुअली संवाद किया था। उन्होंने राष्ट्रपति बाल पुरस्कार प्राप्त करने पर सौम्या को बधाई देते हुए उसे और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए शुभकामनाएं दी थीं।

### एनटीपीसी को मिला एटीडी बेस्ट अवार्ड्स-2024

**कोरबा।** एनटीपीसी ने एटीडी बेस्ट अवार्ड्स 2024 में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान अर्जित करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सभी भारतीय कंपनियों में सर्वोच्च रैंकिंग है। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी ही एकमात्र ऐसा सार्वजनिक उपक्रम है जिसने पिछले आठ वर्षों में सात बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया है। 21 मई, 2024 को न्यू ऑरलियन्स, अमेरिका में आयोजित एक समारोह में एनटीपीसी की मुख्य महाप्रबंधक (रणनीतिक मानव संसाधन और प्रतिभा प्रबंधन) सुश्री रचना सिंह भाल ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। एसोसिएशन फॉर टैलेंट डेवलपमेंट (एटीडी), अमेरिका द्वारा स्थापित यह एटीडी बेस्ट अवार्ड्स, लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एल एंड डी) के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक है। यह उन संगठनों को सम्मानित करता है जो एक रणनीतिक व्यवसाय उपाय के रूप में प्रतिभा विकास का लाभ उठाते हैं और प्रभावी कर्मचारी विकास प्रथाओं के माध्यम से उद्यमव्यापी सफलता का प्रदर्शन करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि रैंकिंग उच्च अखंडता और वैश्विक प्रतिष्ठा वाले अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा आयोजित एक कड़ी आकलन और मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित की जाती है।यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव संसाधन क्षेत्र में एनटीपीसी के असाधारण प्रदर्शन पर प्रकाश डालती है। एटीडी बेस्ट अवार्ड एनटीपीसी की उत्कृष्ट शिक्षण और विकास प्रथाओं एवं उत्कृष्टता की निरंतर खोज का एक प्रमाण है।

### पॉलिटिकल किलिंग की सरगना बन गई हैं ममता बनर्जी : स्मृति ईरानी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि ममता बनर्जी का बदला लेने का आह्वान भाजपा के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतारने का संकेत है। ममता बनर्जी पॉलिटिकल किलिंग की सरगना बन गई हैं। स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले में सीधे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि आम आदमी पार्टी सिर्फ भ्रष्ट ही नहीं, बल्कि उनके आवास पर महिलाएं भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच की वकालत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का दोषी के साथ घूमना बड़ा संकेत है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने अदालत द्वारा मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज करते समय दिए गए ऑब्ज़र्वेजन को आप के लिए बड़ा झटका बताया। उन्होंने बताया कि अदालत ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार के चलते मनीष सिसोदिया के पास इतनी प्रशासनिक और शासकीय ताकत है कि वो केस से संबंधित गवाहों को परेशान कर सकते हैं। गवाहों के संरक्षण का ध्यान रखते हुए अदालत ने भ्रष्टाचार करने और केस से संबंधित सबूतों को मिटाने के लिए मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ईरानी ने कहा, अदालत ने स्पष्ट रूप से इस बात को माना है कि मनीष सिसोदिया ने सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करते हुए घोटाला किया और केस से संबंधित सबूतों को मिटाया है।

# चारधाम यात्रा पर भीड़ देख सरकार के छूटे पसीने, दर्शन के इंतजार में 31 लाख लोग

**नई दिल्ली (एजेंसी)। दस मई को चारधाम यात्रा की शुरूआत होने के बाद से अब तक दर्जनों से अधिक यात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी कारणों से मौत हो चुकी है। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर भारी भीड़ के कई चौंकाने वाले वीडियो सामने आए हैं। अब केंद्र सरकार ने इसका संज्ञान लिया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से उत्तराखंड में प्रचलित चारधाम यात्रा की ताजा जानकारी ली। भल्ला ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को धामों, यात्रा मार्गों एवं ठहराव स्थलों में यात्रियों की रिपोर्ट हर दिन गृह मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए हैं।**

गृह सचिव ने जरूरत पड़ने पर यात्रा मार्ग पर क्राउड मेनेजमेंट के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की मदद लेने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने भविष्य में चारधाम यात्रा प्रबन्धन की रणनीति हेतु एक कमेटी गठन के निर्देश दिए। उन्होंने धरातल स्तर पर यात्रा प्रबन्धन पर कड़ी निगरानी पर विशेष बल दिया है।

राज्य की मुख्य सचिव ने केंद्रीय गृह सचिव को जानकारी दी कि राज्य में चारधाम यात्रा में सभी राज्यों विशेषकर, पांच प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से सबसे अधिक यात्री चारधाम पर आते हैं। उनके मुख्य सचिवों को पत्र के माध्यम से तथा व्यक्तिगत तौर पर बातचीत कर अनुरोध किया गया है कि तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन के बाद ही चारधाम पर आए तथा जिस तिथि का रजिस्ट्रेशन हुआ है, उस तिथि को ही आए। उन्होंने बताया कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 31 मई तक चारधाम यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई गई है। रतूड़ी ने यात्रा मैनेजमेंट सिस्टम की जानकारी देते हुए जानकारी दी कि पंजीकृत श्रद्धालुओं को बड़कोट (यमुनोत्री), हीना (गंगोत्री), सोनप्रयाग (केदारनाथ) तथा पाण्डुकेश्वर (बद्रीनाथ) में चेक किया जा रहा है। जानकी चट्टी (यमुनोत्री), गंगोत्री मंदिर (गंगोत्री), स्वर्गारोहिणी (केदारनाथ) तथा आईएसबीटी, बीआरओ तथा माणा (बद्रीनाथ) में धामों के दर्शन हेतु पंजीकृत श्रद्धालुओं को टोकन जारी किए जा रहे हैं। मंदिरों के परिसर में पंक्ति में लगे श्रद्धालुओं के टोकन पर मोहर लगाकर उनके लिए धामों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि 22 मई तक कुल 31,18,926 रजिस्ट्रेशन में से यमुनोत्री हेतु 4,86285, गंगोत्री हेतु 5,54,656, केदारनाथ हेतु 10,37,700, बद्रीनाथ हेतु 9,55,858 तथा हेमकुण्ड साहिब हेतु 84,427 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करवाया है। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सर्वाधिक श्रद्धालुओं वाले 10 राज्यों में क्रमशः उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, पश्चिम बंगाल तथा छतीसगढ़ हैं।

रतूड़ी ने जानकारी दी कि 2024 में यमुनोत्री में 1,38,537 श्रद्धालुओं ने यात्रा सीजन के पहले 10 दिनों में दर्शन किए। यह आंकड़ा गत दो वर्षों से 127 प्रतिशत अधिक है। गंगोत्री धाम में पहले दस दिनों में 1,28,777 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। जो कि गत दो वर्षों से 89 प्रतिशत अधिक है। जबकि, केदारनाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 3,19,193 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। जो कि गत दो वर्षों से 156 प्रतिशत अधिक है। इसी प्रकार, बदरी नाथ धाम में इस वर्ष पहले दस दिनों में 1 लाख, 39 हजार 656 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

भल्ला को मुख्य सचिव ने अवगत कराया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन हेतु परिवहन विभाग ने वाहन चालकों की कैपिसिटी बिल्डिंग तथा मेडिकल स्क्रीनिग की व्यवस्था की है। यात्रा रूट के मुख्य प्रवेश स्थलों पर चार हाईटेक चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

## परिवार और समाज के लिए घातक है नशा : न्यायधीश कुरैशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** अधिवक्ता संघ ने जिला न्यायालय परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 210 में पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात कार्यक्रम नशे को ना जिंदगी को हां आयोजित किया। इसकी जानकारी देते हुए जिला अधिवक्ता संघ रायपुर के जिला अध्यक्ष हितेंद्र तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम जिला न्यायाधीश, न्यायाधीश, एसएसपी सहित सैकड़ों अधिवक्तागणों की उपस्थिति में संपन हुआ। निजात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय हेमंत सराफने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी ने कहा नशे के खिलाफ सिर्फपुलिस को पुलिस ही नहीं बल्कि हर वर्ग को समाने आकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा परिवार और समाज के लिए सबसे ज्यादा अगर कोई घातक है तो वह नशा है। उन्होंने नशे के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा न्यायालय में भी नशे से संबंधित प्रकरणों की भरमार हो गई। एनडीपीएस की केस बढ़ रही है। उन्होंने कहा नशा करने से सिर्फ एक व्यक्ति प्रभावित नहीं होता बल्कि उससे जुड़े हर लोग होते हैं चाहे वह उसका परिवार हो या समाज हो। कार्यक्रम के आयोजन के लिए डीजे कुरैशी ने अधिवक्ता संघ को बधाई दी।

### अधिवक्ता समाज का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है : एसएसपी सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने कहा कि नशे के विरुद्ध पुलिस के द्वारा एक युद्ध छेड़ा गया है अधिवक्ता समाज का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है। एक एक अधिवक्ता से सैकड़ो लोग जुड़े होते हैं, अधिवक्ताओं के माध्यम से नशे के खिलाफ हम लोगों को एक संदेश देकर समाज को नशा मुक्त कर सकते हैं। इसीलिए आज अधिवक्ता संघ के द्वारा यह आयोजन किया गया जिसके लिए अधिवक्ता संघ बधाई के पात्र है। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश हेमंत सराफ ने नशा से होने वाले नुकसान को बताते हुए कहा कि समाज को नशा मुक्त करने के लिए चाणक्य सूत्र के अनुसार कार्य करना होगा नशा की डाल और पत्तों को तोड़ने की बजाय इसे जड़ से खत्म करना जरूरी है तब जाकर के हमारा समाज नशा मुक्त होगा। जिस तरह एक कॉलोनी के बाहर मैदान होने से बहुत खिलाड़ी पैदा होते हैं उसी प्रकार एक शराब दुकान से कई शराबी पैदा हो जाते हैं इसलिए नशे के खिलाफ या अभियान जारी रखना चाहिए।

### नशा मुक्त अभियान में वकील निभाएँगे महती भूमिका : हितेंद्र तिवारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अधिवक्ता संघ रायपुर के अध्यक्ष हितेंद्र तिवारी ने कहा नशे के खिलाफवकील और पुलिस हम साथ साथ है, पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे यह अभियान समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। नशा के विरुद्ध इस युद्ध में अधिवक्ता भी शामिल होंगे और समाज को नशा मुक्त करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## ग्रामीणों के लिए तेंदूपत्ता सोना से कम नही, संग्राहक परिवारों में होगी वृद्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** औद्योगिक जिले के वनांचल में रहने वाले ग्रामीण तेंदूपत्ता को हरा सोना मानते हैं। गर्मी के दिनों में जब उनके पास न तो खेतों में आय का माध्यम होता है और न ही घर में कुछ काम। इस बीच तेंदूपत्ता का संग्रहण उन्हें मेहनत एवं संग्रहण के आधार पर पारिश्रमिक देता है। वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिये तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा की दर में हुई वृद्धि ने खुशियां जगा दी है।

प्रकृति ने कोरबा जिले को कई प्रकार के उपहार दिए हैं.प्रकृति ने कोरबा जिले को कई प्रकार के उपहार दिए हैं. इनमें जैव विविधता के साथ-साथ वन संपदा भी शामिल है. जंगलों से प्राप्त होने वाले सामान उन इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का सबसे बड़ा माध्यम बना हुआ है. वनांचल क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के लिए तेंदूपत्ता, सोना से कम नहीं है.तपती धूप में मेहनत कर हरे सोने का संग्रहण करते हैं. इसके एवज में मिलने वाले पैसों से अपनी जरूरतों को पूरा करते हैं. इस बार हरे सोने से संग्राहक ग्रामीण मालामाल होंगे. दरअसल शासन ने इसकी कीमत बढ़ा दी है. बीते वर्ष तेंदूपत्ते की खरीदी प्रति मानक बोरा 4 हजार के दर से की गई. इस वर्ष संग्राहकों को प्रति सैकड़ा 550 रुपए मिलेंगे. यह राशि सीधे बैंक खाते में जमा किए जाएंगे.देश में कोरबा की पहचान औद्योगिक नगरी के रूप में की जाती है. यहां संचालित एसईसीएल की भूमिगत और खुली खदानों में हजारों टन कोयले का उत्पादन किया जाता है. विद्युत संयंत्रों से निकलने वाली बिजली से कई राज्य रोशन होते हैं. इस मामले में कोरबा का जंगल भी कम नहीं है. जिले का करीब 60 फीसदी हिस्सा वनों से आच्छादित है. जिसे कोरबा व कटघोरा वनमंडल में विभाजित किया गया है. दोनों ही वनमंडल में वन्यजीवों और औषधीय गुण वाले पेड़-पौधों की भरमार है.ग्रामीणों द्वारा महुआ चार चिरौंजी सहित कई प्रकार के वनोपज का संग्रहण किया जाता है।

## मतगणना निर्वाचन का अंतिम और सबसे मुख्य हिस्सा, इसे गंभीरता और पूरी सतर्कता से करें : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बेमेतरा।** लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र साजा, बेमेतरा और नवागढ़ की मतगणना चार जून को कृषि उपज मंडी बेमेतरा के निर्धारित मतगणना कक्ष में सुबह 8.00 बजे से शुरू होगी। आज कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में गणना पर्यवेक्षक /गणना सहायकों ,माईक्रोआर्जवर का प्रशिक्षण दो पालियों में संपन्न हुआ। पहली पाली का प्रशिक्षण 11 बजे पूर्वाह्न और दूसरी पाली प्रशिक्षण दोपहर 2 बजे से हुआ। पहली पाली में मतगणना दल क्रमांक 01 से32 तक शामिल होंगे। वही दूसरी पाली में क्रमांक 33 से 64 तक के मतगणना दलों ने प्रशिक्षण लिया।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि अब मतगणना होनी है, यह निर्वाचन का अंतिम और सबसे मुख्य हिस्सा है। इसे पूरी गंभीरता व सतर्कता से निर्वहन करें। सबसे मुख्य बात यह है कि मतगणना के दौरान संयमित व्यवहार करें। राजनीतिक दलों के अभिकर्ता को स्पष्ट जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हर राउण्ड के बाद उनके टेबुलेशन चार्ट पर अवश्य हस्ताक्षर लें। मतगणना का कार्य संवेदनशील है अत: बहुत ही सावधानीपूर्वक इस कार्य को क्रियान्वित करें। मतगणना की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया।

मास्टर ट्रेनर सुनील झा ने मतगणना से संबंधित व्यवस्थाओं के अलावा मतगणना संबंधी प्रावधानों व आयोग के ?दिशा निर्देशों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने सामान्य प्रेक्षक कक्ष, सीलिंग कक्षों, मीडिया रूम से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण में मतगणना संबंधी प्रक्रिया का डिमोस्ट्रेशन कर विस्तार से समझाया तथा शंकाओं का समाधान भी किया। डाक मत पत्रों की मतगणना के संबंध में विस्तार से समझाइश दी।

बताया कि पहले डाक मतपत्रों की गणना होगी। डाकमत पत्रों की गणना शुरू होने के तीस मिनिट बाद ईवीएम से मतगणना शुरू हो सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान सीईओ ज़िला पंचायत टेकचन्द्र अग्रवाल, अपर कलेक्टर एवं उप ज़िला निर्वाचन अधिकारी गुड्डू लाल जगत, संयुक्त कलेक्टर अंकिता, डिप्टी कलेक्टर के अलावा प्रशिक्षण में ज़िले की तीनों विधानसभा के सहायक रिटर्निंग ऑफ़िसर (एआरओ) मौजूद थे।

## समर कैंप 'पंख' : छात्रों को कला और रचनात्मक गतिविधियों का दिया जाएगा प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए समर कैंप का आयोजन बहतराई स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। 23 मई से शुरू हुए जिला स्तरीय समर कैंप के पहले दिन आज निगम कमिश्नर अमित कुमार ने बच्चों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। जिला स्तरीय समर कैंप 'पंख' में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के लगभग 200 छात्र छात्राएं शामिल हैं।

बहतराई स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में निगम कमिश्नर ने बच्चों को कैरियर से सबंधित आवश्यक जानकारी दी और विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर की संभावनाओं पर बच्चों से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन किया। कमिश्नर ने कहा कि कैंप का उद्देश्य छात्रों को बेहतर अनुभव प्रदान करना और उन्हें नई विधाओं से परिचित करवाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाना है। बच्चो से उन्होंने कहा कि कैंप में सिखाई गई बातों को

आत्मसात कर बच्चें अपने जीवन में आगे बढ़े। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से आए छात्रों ने निगम कमिश्नर से प्रश्न किए जिसका उत्तर उन्होंने दिया । ग्राम लिमतरी के छात्र कल्याण कौशिक ने कलेक्टर बनने के संबंध में उनसे मार्गदर्शन लिया। कुछ छात्रों ने उनसे स्पोर्ट्स और इंजीनियरिंग क्षेत्र में कैरियर विकल्पों पर चर्चा की। स्कूली बच्चों ने समर कैंप को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस माध्यम से वे बहुत कुछ सीख सकेंगे जो वे अपने गांव में रहकर नही सीख पाते। छात्रों ने व्यवस्था को लेकर भी खुशी जताई,बच्चों ने कहा कि कैंप में सीखी गई बातों को वे अपने गांव के बच्चो तक भी पंहुचाएंगे।

बहतराई स्टेडियम में आयोजित कैंप में सुदूर क्षेत्रों और आदिवासी स्कूली बच्चों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। जिला स्तरीय समर कैंप में सुदूर क्षेत्रों के स्कूली बच्चों को शहर भ्रमण मनोरंजक क्षेत्रों का भ्रमण कराया जाएगा साथ ही समर कैंप में बच्चों के लिए प्रतिदिन मनोरंजक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।जिससे बच्चे नई विधा सीख सकें।

समर कैंप के पहले दिन आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स,और मिड ब्रेन एक्टिविटी कराई गई। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त सीएल जयसवाल, स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक राजकुमार मिश्र शिक्षा विभाग से डॉ. अनिल तिवारी, अनुपमा राजवाड़े डीएमसी, शिक्षक शिक्षिकाएं और निगम के अधिकारी कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे।


चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

## खास खबर

### बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद, दो तस्करों को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**कोंडागांव।** जिले में पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध परविहन करते भारी मात्रा में शराब बरामद की है। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर फरसगांव थाना में नाकेबंदी कर गाड़ियों की जांच और पूछताछ के दौरान 351 लीटर शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि केशकाल की तरफ से आ रही कार को रोककर पूछताछ की गई जिसमें कार से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कार में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 39 बॉक्स में मध्य प्रदेश की गोवा व्हिस्की शराब है। जिसकी कीमत 2,63,250 और लगभग चार लाख रुपये कीमत की कार को जब्त किया गया है। मामले में आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

### पड़ोसी ने नाबालिग लड़की के साथ की छेड़छाड़, पुलिस ने भेजा जेल

**जगदलपुर।** बस्तर जिले के करपावंड में एक पड़ोसी ने अपने ही घर के पास रहने वाली नाबालिग से उसके घर में घुसकर छेड़खानी की। जिसके बाद परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। करपावंड थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के परिजनों शादी में गए हुए थे और वह अपने छोटे भाई के साथ घर में मौजूद थी। जब इस बात का पता आरोपी को चला तो उसने मौके का फायदा उठाकर लड़की के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। जिसके बाद जब पीड़िता ने शोर मचाने और परिजनों से इसकी शिकायत करने की बात कही तो आरोपी डरकर भाग गया। जब परिजन शादी से वापस घर आए तो लड़की ने पूरी बात उन्हें बताई। जिसके बाद परिजनों ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई, पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

### माल वाहक ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, ग्रामीण की मौत

**जगदलपुर।** भोपालपटनम नेशनल हाईवे पर संगमपल्ली पोटाकेबिन के पास मोड़ पर एक माल वाहक ट्रक ने बाइक सवार को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर बैठी महिला और बच्ची जख्मी हो गई। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, भोपालपटनम ब्लॉक के गिलगिचा गांव का निवासी टिंगे रमेश अपनी भाभी और बच्ची के साथ भोपालपटनम किसी काम से आया हुआ था। काम निपटाने के बाद अपने घर वापस जा रहे थे। इसी दरमियान बीजापुर कि तरफ से आ रही हिंगलाज ट्रांसपोर्ट की माल वाहक ट्रक ने बाइक सवार को जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे बाइक चालक टिंगे रमेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, महिला और बच्ची को चोट आई है। जिन्हें मद्देड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर इलाज किया जा रहा है।

# माओवादियों का शव लेकर लौट रही फोर्स पर अटैक, एक और नक्सली ढेर

## मुठभेड़ में कुल 8 नक्सली ढेर, सीएम साय ने कहा खत्म करेंगे नक्सलवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में गुरुवार को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को ढेर कर दिया। कई घंटों चली इस मुठभेड़ के बाद 2 नक्सलियों के शव नारायणपुर पुलिस और 5 नक्सलियों के शव अबूझमाड़ पुलिस ने बरामद किए और भारी मात्रा में हथियार भी मिले। इधर जब जवान नक्सलियों के शवों को लेकर लौट रहे थे तब एक बार फिर से नक्सलियों ने फोर्स पर अटैक किया। इसके बाद जवानों ने एक और नक्सली को मार गिराया। इस प्रकार मुठभेड़ में कुल 8 नकस्ली मारे गए।

जानकारी के मुताबिक नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगलों में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना के बाद 23 मई गुरुवार को नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर बस्तर डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और एसटीएफ के करीब एक हजार जवानों की टीम को सर्चिंग के लिए भेजा गया। पुलिस व सुरक्षाबल जैसे ही नक्सलियों की मांद में पहुंचे तो सामने से फायरिंग शुरू हो गई। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला ओर जवाबी फायरिंग शुरू की। कई घंटों की गोलीबारी के बाद नक्सलियों की ओर से फायरिंग बंद हो गई।

### सर्चिंग में 7 नक्सलियों के मिले शव

गोलीबारी थमने के बाद जब सुरक्षाबलों से सर्चिंग शुरू की तो 7 नक्सलियों के शव बरामद हुए। पुलिस व सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से नक्सलियों के शव के साथ बड़े पैमाने पर हथियार और अन्य नक्सल सामान जब्त किए। बताया जा रह है कि इस एनकाउंटर के बाद जवान शवों को लेकर मुख्यालय लौट रहे थे तभी रास्ते में एक बार फिर से नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने फिर से जवाबी फायरिंग की और एक और नक्सली को मार गिराया। इसके साथ ही मारे गए कुल नक्सलियों की संख्या 8 हो गई है। सुरक्षाबल सभी नक्सलियों के शवों को लेकर वापस लौट रही है।

### देर रात तक होती रही गोलीबारी

बताया जा रहा है अबूझमाड़ के जंगलों में देर रात तक रुक रुक कर गोलीबारी होती रही। जवानों ने नक्सलियों को चारों ओर से घेर रखा था। पूरा ऑपरेशन प्लानिंग के तहत किया गया और सभी जवान एक साथ अबूझमाड़ के जंगल में पहुंचे। नारायपुर क्षेत्र व अबूझमाड़ के रेकावाया में डीआरजी और एसटीएफके बीच सुबह 11 बजे नक्सलियों के साथ पहली मुठभेड़ हुई। इस दौरान फोर्स ने उन्हें चारों ओर से घेर रखा था जिसके कारण नक्सलियों को भागने का अवसर भी नहीं मिला और इस तरह फोर्स को सफलता मिली। हालांकि इस मुठभेड़ में नक्सलियों के बड़े लीडर भागने में सफल रहे।

### सीएम साय बोले- नक्सलवाद को खत्म करेंगे

नारायणपुर मुठभेड़ के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भी बयान आया है। उन्होंने इस सफलता के लिए सुरक्षाबलों को बधाई दी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर में सात नक्सलियों के मारे जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट साझा की है। उन्होंने लिखा कि सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच हुई मुठभेड़ में सात नक्सलियों के मारे जाने की सूचना मिली है। यह निश्चित ही सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है। उनके साहस को सलाम करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि नक्सलवाद के खिलाफहमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है।

### इस साल अब तक 110 से ज्यादा नक्सली ढेर

बता दें इस साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने अब तक 110 से ज्यादा नक्सलियों को ढेर कर दिया है। इनमें कांकेर में 29 नक्सली एक साथ मारे गए थे। बीजापुर पुलिस ने भी करीब 45 नक्सलियों को ढेर किया है। यही नहीं पूरे बस्तर संभाग में करीब 300 नक्सलियों ने सरेंडर किया है और कई नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। बता दें इससे पहले बुधवार को गृहमंत्री व डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बस्तर से ही नक्सलियों के लिए अपडेट सरेंडर नीति लाने की घोषणा की थी। इसमें खुद नक्सलियों को बताने का मौका दिया कि वे पॉलिसी में क्या चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि नक्सलरी खुद ही बताए वे पॉलिसी में क्या बदलाव चाहते हैं। सरकार इस पर बात करने को तैयार हे। इसके 8 घंटे बाद ही नक्सलियों के खिलाफबड़ा ऑपरेशन शुरू हो गया।नक्सलियों को सरकार का स्पष्ट संदेश है कि या तो सरेंडर करें या फिर मुठभेड़ के लिए तैयार रहे।

# ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

■ बलौदा थाना क्षेत्र की घटना, चना बेचने का काम करता था मृतक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के नगपुरा-जावलपुर मुख्य मार्ग में तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। युवक ने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। गुस्से में ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर में तीन घंटे तक चक्का जाम किया। पुलिस टीम और प्रशासन के अधिकारियों की द्वारा आर्थिक मदद के भरोसा दिलाया। वहीं, ट्रेलर वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना बलौदा थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, जावलपुर का रहने वाला कलेश्वर साहू 24 वर्ष जोकि बाजारों में जाकर चना बेचने का काम करता है। वह गुरुवार की देर शाम रात बलौदा से अपने घर वापस बाइक से लौट रहा था। तभी नैला की ओर से जा रही तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन से उसे सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे

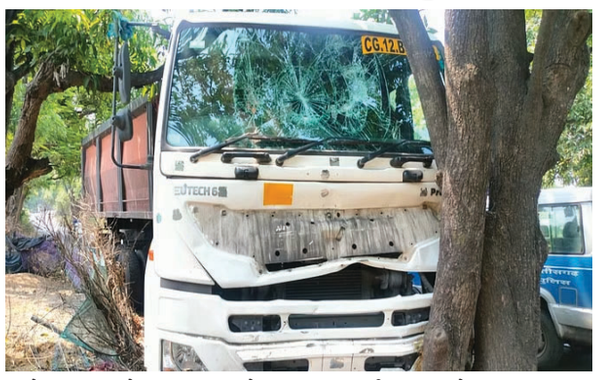

कलेश्वर साहू अपनी बाइक से दूर सड़क पर गिरा। वहीं, ट्रेलर वाहन सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराया। युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रेलर वाहन चालक मौके से फरार को गया। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

गुस्साए लोगों ने मुख्य मार्ग को बंद कर चक्का जाम किया गया। इसकी जानकारी बलौदा पुलिस को होने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्रशासन के अधिकारी भी पहुंचे हुए थे। इस दौरान गुस्से में ग्रामीणों ने तीन घंटे तक सड़क को जाम किया और मुआवजे की मांग कर रहे थे। पुलिस ने ग्रामीणों और परिजनों को आर्थिक मदद करने का भरोसा दिया। जिसके बाद चक्का जाम समाप्त हुआ और वाहनों का आवागम शुरू कराया गया।

# भिलाई में बड़ा हादसा, कोचिंग जा रही छात्रा को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत, चालक ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर-8 पंथी चौक के पास गुरुवार शाम को बड़ा हादसा हो गया। जोनल मार्केट सेक्टर-10 में कोचिंग करने वाली छात्रा अपनी स्कूटी से जा रही थी इस दौरान पीछे से ट्रक ने उसे ठोकर मारते हुए कुचल दिया। मौके पर छात्रा की मौत हो गई। घटना के बाद चालक वहीं ट्रक को छोड़कर फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद ट्रक ड्राइवर खुद ही भिलाई नगर थाने पहुंचा और सरेंडर कर दिया। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बीए 3875 से कोचिंग जा रही थी। स्कॉलर एंपायर कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली छात्रा रिद्धिमा साहू हादसे का शिकार हो गई। रिद्धिमा गुरुवार शाम साढ़े पांच बजे के आसपास अपनी एक्टिवा सीजी 07 पंथी चौक सेक्टर-8 के पास मोड़ते हुए गाड़ी को अचानक पीछे से आ रही ट्रक ने कुचल दिया। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूटी सवार छात्रा ने हेलमेट पहन रखा था। चौक के राउंड से गाड़ी मोड़ रही थी कि तभी पीछे से आ रही लोडिंग ट्रक क्रमांक सीजी 07 सी 7408 नेपीछे से टक्कर मारी।

इसके बाद रिद्धिमा की गाड़ी दूर तक हवा में उछल गई। ठोकर रिद्धिमा सड़क पर गिर पड़ी बीच चौराहे में उसके सिर के ऊपर से गाड़ी निकल गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़कर वहां से फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद भिलाई नगर पुलस ने ट्रक को जब्त कर लिया। हादसे के बाद चालक ने स्वयं थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया।

# रायपुर में अज्ञात महिला की मिली अर्धनग्न अवस्था में अधजली लाश

## रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में एक अज्ञात महिला की अर्धनग्न हालत में अधजली लाश मिली है। इससे इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भेज दिया है। महिला की लाश अधजली होने पर पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि की पुलिस जांच में जुटी है।

पूरा मामला रायपुर के टिकरापारा थाना का है। थाना क्षेत्र कमल विहार सेक्टर चार के झाड़ी के पास एक अज्ञात महिला की लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक महिला का शव तीन-चार दिन पहले का है। मृत महिला की उम्र लगभग 30-35 साल के बीच बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात महिला की शव अधजली होने पर शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसके लिए पुलिस महिला की पहचान के लिए एक मोबाइल नंबर जारी किया है। इस नंबर पर कॉल कर कोई भी व्यक्ति महिला और उसके परिजन से जुड़ी जानकारी दे सकता है।

आशंका है कि हत्यारे ने महिला की हत्या कर पहचान मिटाने के लिए लाश आग लगा दिया और ठिकाने लगा दिया। मिली जानकारी के अनुसार महिला की शरीर को किसी ज्वलनशील पदार्थ से जलाया गया है। जांच में फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। घटना स्थल में महिला गले में मंगलसूत्र, पिंक कलर की चूड़ी, पिच कलर गोल्डन वर्क की साड़ी पहनी है। पुलिस ने अज्ञात महिला के संबंध में उनके परिजनों के संबंध में किसी प्रकार की जानकारी मिलने पर टिकरापारा थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश रावटे के मोबाइल नंबर 9479191037 जारी किया है। इस मोबाइल नंबर पर जानकारी दे सकते हैं।

# अवैध संबंधों के शक में पति ने भाई के साथ मिलकर की युवक की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** मोबाइल फोन पर बातचीत की रिकॉर्डिंग से अवैध संबंध की शंका पर महिला के पति ने प्रेमी को मारने अपने ममेरे भाई के साथ मिल प्लान बनाया और उसकी हत्या कर शव को कीचड़ में फेंक दिया था। पुलिस ने हत्या के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

1 मार्च को दीपका थाना की पुलिस टीम को दीपका-हरदीबाजार रोड 19 नंबर कांटा के पास गड्ढे में कीचड़ से सनी लाश मिली थी। शव की पहचान पुलिस ने ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 आर 7370 के चालक अजय भार्गव के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की उसके परिजनों का बयान लिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या कर शव को फेंकने की पुष्टि होने पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। विवेचना के दौरान पूछताछ के लिए पुलिस ने एक संदेही को हिरासत लिया। उसने पुलिस को बताया कि अजय भार्गव का उसकी पत्नी के साथ मोबाइल में बातचीत होती थी। आक्रोश में आकर अजय भार्गव की हत्या का प्लान बनाया। घटना दिनांक को अपने ममेरे भाई के साथ मिलकर अजय भार्गव से पहले मारपीट की उसके बाद कीचड़ में दबाकर हत्या कर दिया। पुलिस ने मामले के आरोपी दादर निवासी दयाशंकर यादव (30) सतीश यादव (29) को गिरफ्तार किया है।

# ज्वेलरी खरीदने के बाद ऑनलाइन ट्रांजेक्शन दिखाकर भाग जाता था शातिर, बेंगलुरू से पकड़ाया शातिर

■ कबीरधाम सहित छत्तीसगढ़ के अलग अलग शहरों में की ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कबीरधाम।** छत्तीसगढ़ की कबीरधाम पुलिस ने बेंगलुरू से शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। खुद को इनकम टैक्स का अफसर बताकर ज्वेलरी शॉप में पहले खरीदारी करता है और उसके बाद फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन दिखाकर फरार हो जाता है। इस मामले में कवर्धा में संचालित यश ज्वेलर्स ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद आरोपी की तलाश शुरू हुई और कबीरधाम पुलिस ने उसे बेंगलुरू से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पता चला कि शातिर छत्तीसगढ़ के अलग अलग

शहरों में इसी तरह का फर्जीवाड़ा कर चुका है।

कबीरधाम पुलिस ने बताया कि आरोपी का नाम विशाल आरएन पिता राजकुमार निलंगे, उम्र 28 कैंपेगोवड़ा नगर, होडबल्लापुर, बेंगलुरू ग्रामीण (कर्नाटक) का निवासी है। कवर्धा के यश ज्वेलर्स संचालक यश जैन ने 26 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 26 अप्रैल की दोपहर 12.54 बजे एक व्यक्ति आया। उसने अपना नाम धवल चौहान बताया और कहा कि वह इनकम टैक्स अधिकारी है।

उसने बताया कि रायपुर में उसके भाई की सगाई है और इसके लिए सोने की चेन व एक अंगूठी खरीदी। दोनों की कुल कीमत एक लाख 84 हजार 880 रुपए हुई। बिल होने के बाद उसने ऑनलाइन पेमेंट किया और मोबाइल स्क्रीन पर ट्रांजेक्शन भी दिखा दिया। इसके बाद वह दुकान से बाहर निकल गया। इसके बाद जब यश जैन ने अपना खाता चेक किया तो उसके रुपए क्रेडिट नहीं हुए। इसके बाद उसने इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी को बेंगलुरू से गिरफ्तार कर कवर्धा लेकर पहुंची। पूछताछ में आरोपी ने छत्तीसगढ़ के अलग अलग शहरों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, कर्नाटक के कई ज्वेलरी शॉप में ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी को विशाल आरएन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

## खास - खबर

### जिस घर में यज्ञ संपन्न होता है उस घर का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है : डॉ. साव

**दुर्ग।** अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में 23 मई बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर गृहे गृहे गायत्री महायज्ञ उपासना शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल थनोद दुर्ग में संपन्न हुआ। यज्ञ को सफल बनाने के लिए शाला के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाएं व विद्यार्थी ने यज्ञ मे भाग लिए। यज्ञ के महत्व के बारे में जानकारी लिए यज्ञ का संचालन श्रीमती अनीता साव (दिया वुमन विंग) व डॉ पीएल साव (दिया छग )द्वारा संपन्न कराए गए । डॉक्टर साव यज्ञ के महत्व को बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, शरीर में होने वाले बीमारी बैक्टीरियल व वायरल इंफेक्शन को भी रोकता है। जिस घर में यज्ञ संपन्न होती है उस घर का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। हम सभी को प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप व उपासना के माध्यम से अपनी अंत: ऊर्जा को बढ़ानी चाहिए। विद्यार्थी गण यज्ञ के माध्यम से नशा से दूर रहने का संकल्प लिए और गुरुदेव के द्वारा रचित साहित्य का अध्ययन करने का संकल्प लिए । श्रीमती अनीता साव ने बताया कि भगवान बुद्ध की जीवनी के बारे में अपना लक्ष्य बड़ा बनाकर चलो, जीवन में सफलता अवश्य मिलती है। गृहे गृहे गायत्री यज्ञ को संपन्न कराने के लिए श्रीमती अंजू दिल्लीवार, मंजू चंद्राकर, रुक्मणी यादव, संगीता सिंन्हा,हेमा नायर, रश्मि सिन्हा, सुचित्रा गजपाल,रमेश तिरपुडे, रोशन देशमुख, मनेन्द्रकुमार रॉय धनेश्वर सिंह व अनिल गजपाल (प्राचार्य) व विद्यार्थीगण यज्ञ मे शामिल हुए।

### ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को यातायात नियमों का पालन करने दी गई समझाईश

**दुर्ग।** पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस की उपस्थिति में शहर में यातायात का दबाव, ट्रैफिक जाम एवं प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ई-रिक्शा, ऑटो चालकों का यातायात कार्यालय राजनांदगांव में मीटिंग लिया गया। जिसमें समस्त ई-रिक्शा, ऑटो चालकों को समझाईश दिया गया कि शहर में निर्धारित पार्किंग स्थल में ही वाहन पार्किंग करें, प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन न चलायें एवं सवारी बैठाते समय कही भी वाहन खड़ी न करें, निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाये एवं चालक के बगल में सवारी न बिठायें एवं दुर्घटना से बचे। यातायात नियमों का पालन नही करने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही किया जायेगा। यातायात पुलिस राजनांदगांव की सभी यात्री वाहन चालकों से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें, सड़क दुर्घटना एवं असुविधा से बचें।

### अमलेश्वर में 26 से पंडित प्रदीप मिश्रा सुनाएंगे शिव महापुराण की कथा

**दुर्ग।** पंडित प्रदीप मिश्रा इन दिनों छत्तीसगढ़ में हैं। कुरूद में शिवपुराण कथा करने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा के द्वारा दुर्ग के अमलेश्वर में शिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। शिव महापुराण कथा का आयोजन 26 मई से से 2 जून तक होगा। इस कथा को लेकर आयोजन स्थल पर तैयारी भी जोरों से जारी है। यहां गर्मी को देखते हुए भक्तों की सुविधा के लिए खास तौर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। बताया गया कि इस प्रवचन को सुनने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचेंगे। लोगों को कथा स्थल तक पहुंचने के लिए परेशानी न हो और यातायात सुगम रहे, इसके लिए रायपुर पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। वहीं कथा स्थल तक आने-जाने के लिए मार्ग परिवर्तित किया गया है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील है कि, रायपुर से कथा स्थल पहुंचने के लिए भाठागांव चौक होते हुए काठाडीह मार्ग और खुड़मुड़ा नदी पुल से होकर अमलेश्वर कथा स्थल तक पहुंचे। इसी तरह टाटीबंध से कुम्हारी चौक, परसदा, मगरघटा होते हुए ग्राम भोथली और एम.टी. वर्कशॉप रोड का इस्तेमाल करते हुए कथा स्थल जाएं।

# शिवनाथ नदी के पीछे 45 एकड़ पर भूमाफिया ने कर दी अवैध प्लाटिंग, निगम व जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में शिवनाथ नदी के पीछे करीब 40 से 45 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसके लिए यहां भू-माफिया द्वारा मुरुम डालकर रास्ता बना लिया गया था, जिसे बुधवार शाम आधी तूफान और बरसते पानी के समय जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन के अमला ने जेसीबी की मदद से उखाड़ फेंका। इस मामले की रेरा में शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के बाद निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में एक्शन लेते हुए कड़ी कार्रवाई की गई।

बता दें शिवनाथ नदी के पीछे अवैध प्लाटिंग करने वालों ने यहां मुरुम बिछाकर सड़क बना ली थी। सूचना मिलने पर बुधवार देर शाम आंधी तूफान के बीच जिला प्रशासन नगर निगम एवं टाउनकंट्री प्लानिंग् की संयुक्त कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान एसडीएम मुकेश रावटे,डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, भवन अधिकारी गिरीश दीवान, तहसीलदार प्रफ्फुल गुप्ता, राजस्व व अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं ग्राम व नगर निवेश न विभाग दुर्ग के संयुक्त संचालक व निगम अमला मौजूद रहा। जेसीबी से मुरुम बिछाकर बनाई गई रोड व अन्य को ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम के भवन अधिकारी गिरीश दीवान ने बताया कि कार्रवाई के बाद मौके पर एक सूचना बोर्ड लगा दिया गया है कि उक्त जमीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। इस मामले की शिकायत छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा), रायपुर में की गई थी। जिसकी शिकायत की प्रतिलिपि जिला प्रशासन को भेजी गई थी। अब तक जमीन किसी को भी नहीं बेची गई है।

### समय समय पर की जाती है कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि शहर में अवैध प्लाटिंग के खिलाफसमय-समय पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं प्रशासन द्वारा राजस्व विभाग के अमला को भी अवैध प्लाटिंग पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।इसकी सूचना मिलने पर कार्रवाई के लिए भी निर्देशित किया गया है। ग्राम पुलगांव में अवैध प्लॉटिंग के उद्देश्य से बनाए गए निर्मित संरचना को आज नगर निगम और राजस्व की संयुक्त कार्यवाही से जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त करने की कार्यवाही की गई।ग्राम पुलगांव के निजी भूमि खसरा नंबर 47/31, 47/17, 7, 9, 12, 49/2,3, 11 सहित अन्य 08 खसरों पर बिना अनुज्ञा के लगभग 40 से 45 एकड़ भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की मंशा से निर्मित किए गए रोड रास्ता, नाली आदि स्ट्रक्चर को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त करने कार्यवाही की गई है। अलग अलग भू धारकों के नाम से धारित भूमि पर अवैध प्लॉटिंग की पूरी तैयारी कर लिए जाने की शिकायत छत्तीसगढ़ भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) को मिलने पर आज यह बड़ी कार्यवाही की गई। उक्त खसरों पर अवैध विकास की कार्यवाही की जा रही थी जिसका रेरा सहित अन्य सक्षम अधिकारियों से विधिवत अनुमति नहीं ली गई थी। पर्यावरण सुरक्षा को कोई हानि तो नहीं हो रही इसकी भी जांच कराई जायेगी। इस समय ग्राम तथा नगर निवेश के सहायक संचालक सूर्यभान सिंह, राजस्व निरीक्षक द्वारका परगनिहा, पटवारी टेकराम साहू सहित निगम अमला आदि मौजूद रहे।

## आयुक्त ने अफसरों को दिए निर्देश, कहा- न हो साफ पानी की समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गर्मियों में पेयजल की समस्या न हो इसके लिए भिलाई निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने गुरुवार को अफसरों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रहे नागरिको को कठिनाईयो का सामना न करना पड़ें।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने अधिकारियो से कहा कि निगम क्षेत्र के हर घर को पानी मिले इसके लिए बिछाए गये पाईप लाईन में किसी प्रकार का लीकेज ना हो इसके लिए लिकेज का संधारण किया जाए।

बैठक में अफसरों ने बताया कि मोहल्ले में लगे मोटर बोरवेल तथा हैण्ड पम्प की खराबी की जांच कर दुरूस्त करवाया जा रहा है आवश्यकतानुसार मांग के आधार पर टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था भी निगम द्वारा सुनिश्चित किया गया।

लोगो को स्वच्छ और शुद्व पानी पीने को मिले इसके लिए सभी जोन के अलग-अलग स्थान से नागरिकों के घरों में जाकर पीने के पानी का सैंपल ले रहे हैं उसके बाद से जांच के लिए लैब में भेजते हैं। अधिकारियों ने बताया कि शहर से 785 पानी के नमुने लेकर फिल्टर प्लांट के लेब में जांच के लिए भेजा गया था। जिसमें से 778 सेंपल की जांच हो चुकी है जो कि ठीक पाए गए।

शेष 8 सेंपल का रिपोर्ट आना बाकी है। जांच के बद क्षेत्र में जल दुषित नहीं पाया गया। होने पर त्वरित रूप से स्त्रोंत का उपचार किया रहा है, जिससे क्षेत्र में जनजनित बिमारियों को प्रकोप न फैले साथ ही जल शुद्विकरण हेतु नागरिको में क्लोरिन टेबलेट का वितरण भी किया जा रहा है।

### आरओ के पानी की भी कराई जाए जांच

बता दें प्राईवेट एजेंसी के द्वारा आरो फिल्टर प्लांट के माध्यम से पीने की पानी की सप्लाई की जा रही है। आरओ का का पानी जार में घर-घर पहुंच रहा है । आयुक्त देवेश ध्रुव ने आरओ प्लांट से निकलने वाले पानी की भी जांच किये जाने के निर्देश दिये है। आरो प्लांट प्लांट में मापदंडों का पालन किया जा रहा है कि नहीं इसका भी जांच कराइ जाए। जिससे नागरिको को शुद्व आरओ पानी पीने योग्य मिल सके। बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उपअभियंता सभी विभाग प्रमुख उपस्थिति थे।

## ओडिशा की जनता में परिवर्तन की लहर - गजेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** ओडिशा में विधानसभा और लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दुर्ग के भाजपाइयों ने विधायक गजेंद्र यादव संग धुंआधार प्रचार किया। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में बाइक रैली व जनसंपर्क किये। छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी और विष्णुदेव के सुशासन की जानकारी देते हुए कमल फूल छाप वाले प्रत्याशी को प्रचंड मतों से विजयी बनाने अपील किये।

चुनावी प्रचार करते हुए विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की मजबूत लोकतंत्र के लिए ओडिसा के हर नागरिक भाजपा को जिताकर परिवर्तन लाएंगे तभी विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। पटनायक सरकार ओडिसा के जनता का नहीं बल्कि अपना विकास करती है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में खुशहाल जनजीवन, समृद्ध किसान और सशक्त होती हुई महिलाओ तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ओडिसा के जनता से संकल्पित होकर राज्य में भाजपा सरकार बनाने आव्हान किये। ओडिसा में चुनाव प्रचार करने विधायक गजेंद्र यादव संग दुर्ग विधानसभा से 50 से अधिक कार्यकर्ताओ का दल ओडिसा प्रवास पर है। कार्यकर्त्ता पूरी और ढेकानाल लोकसभा प्रत्याशी रूद्र नारायण पाणी तथा विधानसभा प्रत्याशी रिना रॉय के क्षेत्र में मतदाताओं से ओडिसा में पटनायक सरकार को बदलकर भाजपा सरकार बनाने अपील किये।

## चुनाव ड्यूटी के दौराम महिला कर्मी की मृत्यु सीईओ ने दो बेटों को सौंपा 15 लाख का चेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने दुर्ग पहुंची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने गुरुवार को चुनाव ड्यूटी में मृत महिला कर्मी के दो बेटों को 15 लाख रुपए का चेक सौंपा। सीईओ कंगाले ने मृत महिलाकर्मी मधु बंजारे के पुत्रों नितिन कुमार बंजारे को साढ़े सात लाख रुपए और विपिन कुमार बंजारे को साढ़े सात लाख रुपए का चेक प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा आम निर्वाचन कर्तव्य के दौरान निर्वाचन कर्मी मधु बंजारे की 8 मई को कुम्हारी के पास वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अनुग्रह प्रतिकर भुगतान नियम 2009 के प्रावधानों के तहत उनके उत्तराधिकारियों पुत्र नितिन कुमार बंजारे और विपिन कुमार बंजारे को कुल अनुग्रह प्रतिकर राशि 15 लाख रुपए के भुगतान की अनुशंसा की गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिवार को चेक सौंपने के दौरान दुर्ग की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला और उप जिला निर्वाचन अधिकारी बीके दुबे उपस्थित थे।

## मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया दुर्ग के स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 4 जून को मतगणना होनी है। दुर्ग में मतगणना के लिए श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्व विद्यालय जुनवानी भिलाई में स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष बनाया गया है। गुरुवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश क्षीरसागर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी व पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभावार मतगणना कक्ष, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व एजेंट की बैठक व्यवस्था, प्रवेश पास, सीसीटीवी कैमरा मॉनिटरिंग, सुरक्षा व्यवस्था एवं उद्घोषक स्थल का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सूचना एवं टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए दुर्ग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अन्य जिले के विधानसभा क्षेत्र की जानकारी गूगल लिंक के माध्यम से डेटा अपडेट होगा। उन्होंने दुर्ग संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के समस्त मतदान केन्द्रों के मतदान का परिणाम समेकित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले में मतगणना हेतु किए गए प्रबंध की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मतगणना हॉल में मोबाईल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन मीडियाकर्मी मीडिया सेंटर तक मोबाईल ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्य के अवलोकन हेतु मीडियाकर्मियों को 5-5 के समूह में एक बार अवलोकन कराया जाएगा। पासधारी अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं मतगणना अभिकर्ताओं के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं मतगणना अभिकर्ताओं के लिए अलग-अलग रंग के पास बनाई जाएं। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मतगणना स्थल का और मतगणन कक्षों के ड्राइंग डिजाइन चार्ट का अवलोकन किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा निर्वाचन अभिकर्ताओं की सुगमता के लिए मतगणना स्थल में विधानसभावार कक्षों का ड्राइंग डिजाइन परिसर में प्रदर्शित किया जाए, जिससे संबंधित अभिकर्ता निर्धारित मतगणना कक्ष तक पहुंच सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतगणना कक्ष में कम्प्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सहित आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध होनी चाहिए।

उन्होंने पोस्टल बैलेट एवं ईटीबीपीएस के मतों की गणना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना स्थल में विधानसभावार मतगणना कक्ष तक पहुंचने बनाए गए मार्गों का भी अवलोकन किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना की तैयारी की जा रही है। मतगणना के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए उन्हें वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचनाएं प्रदान की जा रही है। विधानसभावार ईव्हीएम रनर की ड्यूटी लगाई गई है। रनर को संबंधित विधानसभा में ईव्हीएम पहुंचाने प्रशिक्षित किया जाएगा।

# छत्तीसगढ़ में नई औद्योगिक नीति के लिए चेम्बर ने दिए सुझाव, गुजरात मॉडल पर फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित नई औद्योगिक नीति 2024-29 के लिए छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। बुधवार को इसे लेकर उद्योग भवन, तेलीबांधा रायपुर में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अंकित आनंद की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ चेम्बर के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ चेम्बर ने गुजरात मॉडल एकल खिड़की प्रणाली लागू करने की भी मांग रखी।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य की प्रस्तावित नवीन औद्योगिक नीति 2024-29 का प्रारूप तैयार करने वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा पत्र प्राप्त हुआ जिसके संदर्भ में चेंबर भवन में विभिन्न

औद्योगिक संस्थानों एवं उनके पदाधिकारी की बैठक आहूत की गई जिसमें चेम्बर द्वारा राज्य की नवीन औद्योगिक नीति से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। उक्त बैठक में आलोक त्रिवेदी, संयुक्त सचिव वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और अतिरिक्त निदेशक उद्योग निदेशालय छत्तीसगढ़ शासन, प्रवीण शुक्ला अपर निदेशक एसआईपीबी (राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड), अनिल श्रीवास्तव कार्यकारी निदेशक, सीएसआईडीसी, संजय गजघाटे संयुक्त निदेशक उद्योग निदेशालय छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। औद्योगिक क्षेत्रों में मुलभुत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में चेम्बर ने कहा कि स्टेट पर्चेसिंग में प्रदेश के सूक्ष्म,लघुएवं मध्यम उद्योगों को राज्य सरकार प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय स्तर पर रोजगार देने पर उद्योगों को रियायत दी जाए। इसके साथ ही प्रदूषणमुक्त उद्योग को लेकर आद्योगिक अपशिष्ट, ट्रांसपोर्टेशन के साथ ही दल्लीराजहरा क्षेत्र को औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा बिजली, भूमि, हेल्थ एवं सेफ्टी, श्रम कानून आदि पर भी सुझाव दिए। साथ ही सब्सिडी से सम्बंधित अन्य सुझावों में डायवर्सन शुल्क माफी, उत्पादन से जुड़ी सब्सिडी, राज्य सरकारी खरीद सहायता, प्रदर्शनी समर्थन व नए मॉडल विकास एवं डिजाइन सब्सिडी के लिए सुझाव दिए।

अजय भसीन ने कहा कि मेगा परियोजना से सम्बंधित उद्योगों को बढ़ावा देने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु सब्सिडी योजना को त्वरित रूप से क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

जिससे की अन्य राज्यों के उद्योग हमारे राज्य की ओर उद्योग लगाने हेतु प्रेरित हों। इस अवसर पर उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जेपी गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष महेश बंसल, प्रदेश उपाध्यक्ष उद्योग चेम्बर करमजीत सिंह बेदी, शंकर सचदेव, दिलीप इसरानी, सुनील मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

### व्यापार को लेकर चेम्बर के सुझाव

व्यापार को लेकर को ने चेम्बर ने एकल खिड़की प्रणाली (गुजरात मॉडल ), वन स्टेट वन लाइसेंस, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, कृषि आधारित उद्योग, फूड पार्क, कोल्ड स्टोरेज आदि के सुझाव दिए। साथ ही डैडम् एक्ट में संशोधन पश्चात सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्योगों की श्रेणी वर्गीकृत करने हेतु नए नियमों को आधार माना जाना चाहिए।इसके साथ ही कच्चे माल की उपलब्धता (आयरन एंड स्टील), फर्नीचर उद्योग सम्बन्धी, सोलर उद्योग, विनियामक आयोग का गठन किया जाना चाहिए। धान प्रसंस्कृत उत्पाद को बढ़ावा मिलना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950